मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, गुरुवार, 4 जून 2026
संवत 2083, अधिक ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा 4 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 260, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ आसमान से बरसता अमृत, नालियों में बहता भविष्य
रणबीर की कास्टिंग पर बवाल ◀◀ 6

बोकारो : रेलवे ट्रैक से तीन युवकों का शव बरामद, सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता

बोकारो : राधानगर पंचायत के समीप लावाटांड़ क्षेत्र में रेलवे ट्रैक से गुरुवार सुबह तीन युवकों का शव जीआरपी ने बरामद किया। इस घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई । घटना बोकारो रेलवे स्टेशन से लगभग नौ किलोमीटर दूर स्थित रेलवे ट्रैक की है ।

घटना की सूचना मिलने पर जीआरपी बोकारो पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दिया। मृतकों में से एक युवक की पहचान घटनास्थल से मिले आधार कार्ड के आधार पर बबलू सोरेन के रूप में हुई है। वह सूरजलाल सोरेन का पुत्र और गोमिया प्रखंड के मडवाडीह, टीकाहारा, बरकी पुनु गांव का निवासी बताया गया है। वहीं, दूसरा युवक का नाम दीपक सोरेन बताया जाता है।

घटनास्थल से मोटरसाइकिल बरामदः पुलिस को घटनास्थल के समीप से एक मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार तीनों युवक ट्रेन की चपेट में आए हैं, हालांकि घटना के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है।

जीआरपी पुलिस मामले की जांच कर रही है. अन्य दो मृतकों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है । शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है

कोयला बेचने जा रहे व्यक्ति को अज्ञात वाहन ने रौंदा, मौत

चतराः जिले के सदर थाना क्षेत्र के संघरी घाटी में आज तड़के हुई एक दर्दनाक सड़क हादसे में कोयला बेचने जा रहे मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। घटना में बाइक के परखच्चे उड़ गए और मृतक का शरीर भी क्षत विक्षत हो गया। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान महेंद्र प्रसाद महतो(40 वर्ष) पिता बासुदेव महतो के रूप में हुई है। मृतक हजारीबाग जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र के शिवाडी गांव का रहनेवाला था। सदर थाना प्रभारी अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक प्रतिदिन मोटरसाइकिल से कोयला लेकर चतरा की ओर आता था। बताया कि अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दुर्घटना घटित हुई है। मृतक अपने पीछे पत्नी व दो बच्चों को छोड़ कर गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनो के आवेदन के पश्चात आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भांगर बम विस्फोट मामले में एनआईए का एक्शन टीएमसी नेता से जुड़े 9 ठिकानों पर छापेमारी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के भांगर में चुनावी हिंसा के दौरान हुए विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक शौकत मुल्ला के आवास पर छापेमारी की है। जांच एजेंसी ने मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं की पड़ताल के लिए एक साथ कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया।

सूत्रों के अनुसार, एनआईए की टीमें विस्फोट के पीछे सक्रिय कथित नेटवर्क की जांच के तहत कुल नौ ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। एजेंसी संदिग्धों के घरों और अन्य स्थानों से दस्तावेजों तथा डिजिटल साक्ष्यों को खंगाल रही है, ताकि मामले से जुड़े तथ्यों और संभावित कड़ियों का पता लगाया जा सके।

गौरतलब है कि 19 मार्च को भांगर इलाके में हुए बम विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य घायल हो गए थे। जांच एजेंसी इस घटना को चुनावी हिंसा से जोड़कर देख रही है और संभावित साजिश की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

इसी सिलसिले में एनआईए ने शौकत मुल्ला के आवास पर भी तलाशी अभियान चलाया।

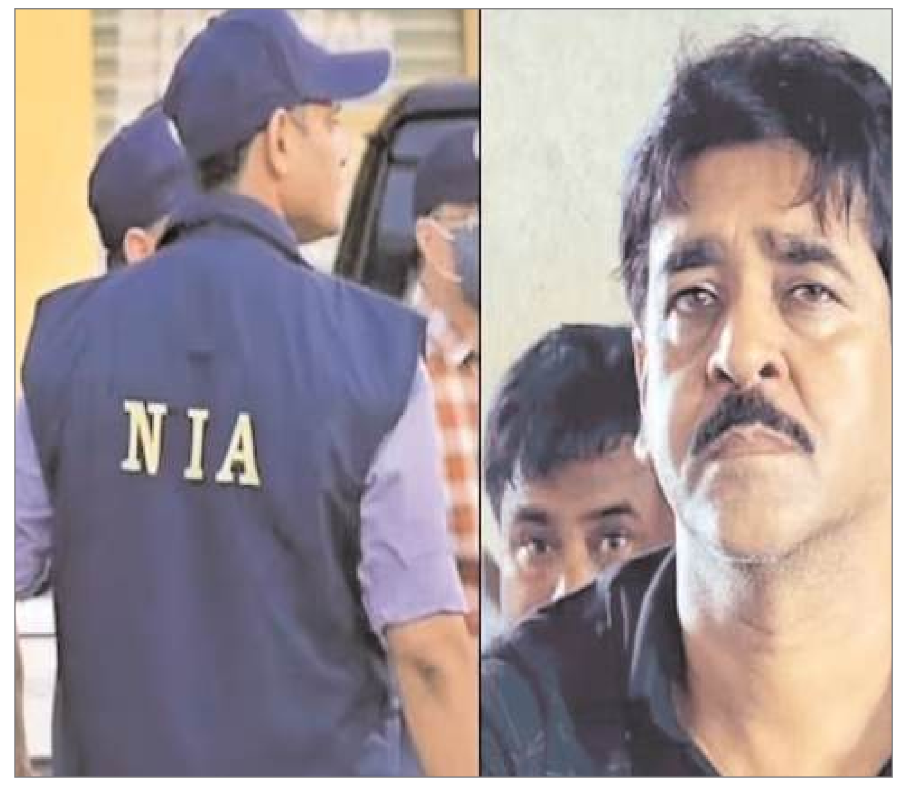

अधिकारियों को उम्मीद है कि इस कार्रवाई से मामले में महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ सकती हैं।

छापेमारी के बीच शौकत मुल्ला की पत्नी सायरा बानू मुल्ला का बयान भी सामने आया है। उन्होंने कहा कि उन्हें एनआईए की ओर से बुलाया गया था, लेकिन इसके अलावा उन्हें कोई अन्य जानकारी नहीं दी गई।

एनआईए की इस कार्रवाई के बाद राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। शौकत मुल्ला तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक रह चुके हैं और भांगर क्षेत्र लंबे समय से राजनीतिक हिंसा की घटनाओं को लेकर चर्चा में रहा है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और एनआईए सभी संभावित पहलुओं की गहन पड़ताल कर रही है।

मुजफ्फरपुर के निजी अस्पताल में भीषण आग

चार बच्चों सहित पांच लोग जिंदा जले, 20 से ज्यादा झुलसे, मची अफरा- तफरी

पटना : बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में प्रसाद अस्पताल के आईसीयू में गुरुवार तड़के करीब दो बजे आग लग गई। अब तक पांच लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। मरने वालों में औराई के 30 वर्षीय शशांक कुमार, कथैया की गीता देवी और तरियानी-शिवहर के 57 वर्षीय उदय कुमार, कृष्ण नंदन और चंचला कुमारी के शव की पहचान हो सकी है। करीब 20 लोगों के हताहत होने की जानकारी आई, लेकिन मौतों की संख्या पर औपचारिक पुष्टि नहीं हो रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग अस्पताल की ऊपरी मंजिल स्थित आईसीयू में लगी, जिसके बाद पूरे परिसर में धुआं फैल गया और मरीजों व उनके परिजनों के बीच भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने का अभियान शुरू किया गया।

10 से 15 लोग बेसुध स्थिति में निकाले गएः ब्रहपुरा थाना क्षेत्र में इस घटना से अफरातफरी मच गई। मौके पर कई घंटे बाद भी लोग मौतों की वास्तविक संख्या नहीं बता पा रहे थे, क्योंकि बेसुध अवस्था में निकाले गए लोगों को आसपास के दूसरे अस्पतालों में ले जाने की बात कही जा रही थी। बचाव कार्य में अस्पताल के कर्मी शुरू में लगे थे, लेकिन फिर अफरातफरी की स्थिति हो गई। ब्रह्मपुरा थाने के पुलिसकर्मियों ने बताया कि आग की सूचना शोरगुल से ही मिली थी। इसके बाद जिसे-जैसे मौका मिला, भागते हुए बचाव कार्य में लग गए हैं। दमकलकर्मियों ने शॉर्ट सर्किट से आग और 10 से 15 बेसुध लोगों को निकाले जाने की बात कही। मौतों का आंकड़ा बढ़ सकता है।

मौके पर आए डीएम सुब्रत कुमार सेन ने कहा कि अस्पताल प्रशासन की लापरवाही पर परिजनों ने शिकायतें की हैं। फिलहाल आसपास के अस्पतालों में भी टीम देख रही है कि यहां से मरीज अगर ले जाए गए हैं तो

फिल्म निर्माता और सीबीएफसी के पूर्व अध्यक्ष पहलाज निहलानी का निधन, 76 की आयु में ली अंतिम सांस

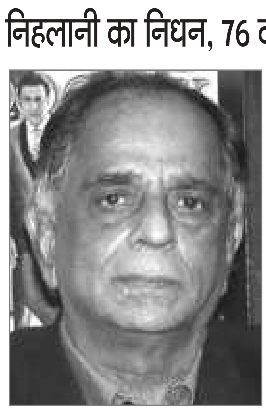

नई दिल्लीः फिल्म निर्माता और सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) के पूर्व चेयरमैन पहलाज निहलानी का 76 साल की उम्र में निधन हो गया है। वह पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे और उन्हें लिवर से जुड़ी समस्याएं थीं। पहलाज के करीबी ने जानकारी दी कि उन्हें बीती रात अस्पताल में भर्ती किया गया था। आज सुबह उनका निधन हुआ। वो लीवर से जुड़ी समस्या से जूझ रहे थे।

किन फिल्मों के रहे निर्माता? : निहलानी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में एक जानी-मानी हस्ती थे। वह देश की फिल्म सर्टिफिकेशन संस्था के पूर्व प्रमुख रहे हैं। वह कई बॉलीवुड फिल्मों के निर्माता रहे हैं। इन फिल्मों में 'आंखें', 'अंदाज', 'तलाश', 'रंगीला राजा' और 'जूली 2' शामिल हैं। एक निर्माता के तौर पर, निहलानी अलग-अलग शैलियों की कई व्यावसायिक हिंदी फिल्मों से जुड़े रहे। फिल्म उद्योग में उनका योगदान कई दशकों तक फैला रहा।

चर्चित अध्यक्ष रहे निहलानीः पहलाज निहलानी ने 2015 से 2017 के बीच सीबीएफसी के अध्यक्ष के तौर पर काम किया। यह एक ऐसा कार्यकाल था जो सेंसरशिप और फिल्म सर्टिफिकेशन से जुड़ी बहसों की वजह से अक्सर सुर्खियों में रहा। बोर्ड में अपने कार्यकाल के दौरान, उनके कई फैसलों ने फिल्म इंडस्ट्री के भीतर चचाओं को जन्म दिया, जिससे वे हाल के वर्षों में सीबीएफसी के सबसे ज्यादा चर्चित अध्यक्षों में से एक बन गए।

निहलानी की पहली फिल्मः निहलानी ने 1980 के दशक की शुरूआत में एक फिल्म निर्माता के तौर पर अपने सफर की शुरूआत की। उनकी पहली फिल्म 'हथकड़ी' 1982 में रिलीज हुई, जिसके बाद 1985 में 'आंधी-तूफान' आई। 1986 में उन्होंने फिल्म 'इल्जाम' बनाई। इसी फिल्म से गोविंदा ने अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत की थी।

केरल में मानसून ने दी दस्तक, झमाझम बारिश, तीन जिलों में ऑरेंज अलर्ट

तिरुवनंतपुरम / नई दिल्लीः मौसम विभाग के मुताबिक मानसून ने केरल में दस्तक दे दी है। केरल के कई हिस्सों में पिछली रात से ही भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने कहा कि मॉनसून भारत में प्रवेश कर चुका है। केरल में मानसून के आगमन की आधिकारिक घोषणा के साथ ही नजरें इस बात पर भी हैं कि दिल्ली-एनसीआर और देश के अन्य हिस्सों में गर्मी से निजात कब मिलेगी। इस पहलू पर मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले दो-चार दिनों में उत्तर प्रदेश,

दिल्ली समेत देश के अन्य हिस्सों में भी गर्मी से राहत मिलने के आसार हैं।

अगले तीन-चार दिनों में मॉनसून की गति कैसी रहेगी? : दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने को लेकर मौसम विभाग ने कहा,अगले 3 से 4 दिनों में कर्नाटक तट से होते हुए मानसून गोवा की अक्षांश रेखा तक आगे बढ़ेगा। मानसून के आगे बढ़ने के लिए जैसी मौसमी परिस्थितियां चाहिए, फिलहाल सबकुछ अनुकूल नजर आ रहा है। आईएमडी वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 10 जून के बाद मानसून की प्रगति धीमी होने की संभावना है।

बिना अनुमति तोड़ी स्कूल की दीवार

मुरी: हल्माद सरकारी स्कूल के चाहरदिवारी को तोड़ दिया गया है। गांव के पूर्व शिक्षक प्रहलाद महतो ने कहा कि बिना अनुमति व बगैर ग्रामीण को बताए दीवार कैसे तोड़ा, बताया जाये। इसके लेकर वे काफी नाराज थे। मौके पर पहुचे बिधायक अमित महतो को भी बताया। स्कूल में चल रहे अन्य कामों की लापरवाही का भी जिक्र किया।

हालमाद में सहायक सचिव व सक्रिय महिला सदस्य के चयन हेतु ग्राम सभा कल

सिल्ली: हालमाद में पंचायती राज व्यवस्था के अनुसार, ग्राम पंचायत के कामकाज और विकास कार्यों में सहयोग देने के लिए एक पंचायत सचिव व एक सक्रिय महिला सदस्य का चयन हेतु 5 जून को 1 बजे दुर्गा मंदिर हलमाद के प्रांगण में विशेष ग्राम सभा की बैठक रखी गई है। उक्त ग्राम सभा में तमाम ग्रामीणो को उपस्थित होने का ग्राम प्रधान चंद्र भूषण सिंह ने किया है।

गांव की विकास सरकार की पहली प्राथमिकताः अमित महतो

सिल्ली: गांव का विकास हेमंत सरकार की पहली प्राथमिकता है मुख्यमंत्री खुद कई बार बोल चुके हैं हमारी सरकार प्रोजेक्ट बिल्डिंग से नहीं, गांवों से चलती है। हेमंत दा का कहना है गांवों की अर्थव्यवस्था जब तक नहीं बढ़ेगी, तब तक सर्वांगीण विकास की कल्पना नहीं की जा सकती।

विधायक अमित महतो ने हालमाद, हाकेदाग व बड़ा मुरी में विकास योजनाओं का किया शिलान्यास

गांवों के विकास के लिए 8 बड़ी योजनाएं चल रही है. इन योजनाओं का लाभ गांव के गरीब - गुरबे, शोषित, वंचित व जरूरतमंद लोगों को मिले इसको लेकर समय समय पर आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित किए जाते है। विधायक अमित महतो ने हालमाद, हाकेदाग एंव बड़ा मुरी में विकास योजनाओं का शिलान्यास के दौरान ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा।

55 लाख की लागत से हाकेदाग में स्वास्थ्य उपकेन्द्र का शिलान्यास

मुरी: सिल्ली प्रखण्ड अन्तर्गत हाकेदाग पंचायत के हाकेदाग में स्वास्थ्य का शिलान्यास किया गया। विधायक की उपस्थिति में बुजुर्ग महिला पंचु देवी के हाथो से शिलापट्ट का अनावरण किया गया। स्वास्थ्य उपकेन्द्र का लागत लगभग 55 लाख बताया गया जिसका निर्माण तीन महीने के अन्दर पुरा करने का लक्ष्य है। बिधायक अमित महतो ने कहा कि जो भी छुटा बढ़ा काम है उसको भी पुरा किया जाएगा ताकि इसका लाभ सभी को मिले। हेमन्त सोरेन का प्रयास है कि दबे कुचले, शोषित लोग स्तर बेहतर करने के लिए माईया सम्मान योजना के अलावा कई योजनाओं धरातल पर लाई जाएंगी। ग्रामीण लोगों के आलावा जेएमएम के लोग मौजूद रहे।

विश्व साइकिल दिवस पर माई भारत चतरा द्वारा साइकिल रैली व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

चतरा: विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर बुधवार को माई भारत, चतरा द्वारा साइकिल रैली एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था।कार्यक्रम का नेतृत्व जिला युवा अधिकारी धीरेंद्र कुमार ने किया। इस अवसर पर लेखा एवं कार्यक्रम सहायक उमेश कुमार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती सीमा श्रीवास्तव एवं श्याम किशोर ने सहभागिता कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।साइकिल रैली में बड़ी संख्या में साइकिल प्रेमियों, युवाओं एवं स्वयंसेवकों ने भाग लिया, जिससे कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, पर्यावरण संरक्षण तथा साइकिल के उपयोग को बढ़ावा देने की सामूहिक शपथ ली।उपस्थित वक्ताओं एवं प्रतिभागियों ने साइकिल चलाने के स्वास्थ्य संबंधी लाभों, प्रदूषण नियंत्रण में इसकी भूमिका तथा नियमित शारीरिक गतिविधियों के महत्व पर विचार-विमर्श किया। वक्ताओं ने कहा कि साइकिल न केवल एक किफायती एवं पर्यावरण-अनुकूल परिवहन साधन है, बल्कि यह शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाती है।कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की गई। माई भारत, चतरा ने सभी प्रतिभागियों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों का कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु आभार व्यक्त किया।

एक क्लिक पर पहुंचेगी एंबुलेंस

ओला-उबर मॉडल से बदलेगी स्वास्थ्य सेवाओं की तस्वीर

संवाददाता

रांची: झारखंड सरकार राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक आधुनिक, प्रभावी और लोगों के लिए सुलभ बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। उन्होंने एंबुलेंस व्यवस्था को मजबूत करने, अस्पतालों की सुविधाओं को बेहतर बनाने और तकनीक आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने पर जोर दिया। इस दौरान सबसे बड़ी घोषणा ओला और उबर की तर्ज पर राज्यव्यापी एंबुलेंस नेटवर्क विकसित करने की योजना को लेकर की गई।

एंबुलेंस सेवाओं की खामियों पर सरकार गंभीरः राज्य में लंबे समय से एंबुलेंस सेवाओं की खराब स्थिति को लेकर शिकायतें मिल रही हैं। कई सरकारी एंबुलेंस खराब या निष्क्रिय पड़ी हैं, जिसके कारण मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचने में परेशानी होती है। मजबूरी में लोगों को निजी एंबुलेंस सेवाओं का सहारा लेना पड़ता है। मुख्यमंत्री ने इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए एंबुलेंस संचालन की निगरानी के लिए अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित कंट्रोल रूम स्थापित करने का निर्देश दिया है।

ओला-उबर मॉडल पर तैयार होगी नई व्यवस्थाः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर ओला-उबर मॉडल पर आधारित एंबुलेंस नेटवर्क की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत की जाए। इस व्यवस्था के तहत मरीजों को जरूरत पड़ने पर आसानी और तेजी से एंबुलेंस उपलब्ध कराई जा सकेगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अस्पतालों से जुड़ी सभी एंबुलेंस हर समय सक्रिय और कार्यशील रहनी चाहिए। यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सभी नागरिकों का बनेगा डिजिटल हेल्थ प्रोफाइलः बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी नागरिकों, खासकर बच्चों का डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल तैयार करने का निर्देश भी दिया। उनका कहना है कि यदि लोगों का स्वास्थ्य रिकॉर्ड व्यवस्थित रूप से उपलब्ध रहेगा तो बीमारियों की पहचान, इलाज और रोकथाम में काफी मदद मिलेगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को इस दिशा में तेजी से काम करने और डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने के निर्देश दिए।

एबीएचए कार्ड अभियान को मिलेगा विस्तारः मुख्यमंत्री ने आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (एबीएचए) कार्ड अभियान को और व्यापक बनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस अभियान को स्कूलों, कॉलेजों, आंगनबाड़ी केंद्रों और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके।

अस्पतालों में बढ़ेंगी आधुनिक सुविधाएंः स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने सरकारी अस्पतालों को चरणबद्ध तरीके से एयर-कूल बनाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही बर्न यूनिट, इमरजेंसी वार्ड और ऑपरेशन थिएटर जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं को आधुनिक बनाने पर भी जोर दिया गया।

उन्होंने अस्पताल परिसरों में स्वच्छता, रखरखाव और मरीजों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

तकनीक और जवाबदेही से बदलेगी स्वास्थ्य व्यवस्थाः स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक से साफ संकेत मिला है कि झारखंड सरकार तकनीक, बेहतर प्रबंधन और जवाबदेही के जरिए राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक सुधार लाने की तैयारी कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि लोगों को समय पर और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों तथा आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस सेवा अधिक तेज, पारदर्शी और प्रभावी बने।

फूलो झानो आशीर्वाद अभियान की महिला लाभुकों का 6 दिवसीय किराना दुकान प्रबंधन प्रशिक्षण संपन्न

संवाददाता

चतरा: महिलाओं को सम्मानजनक एवं स्थायी आजीविका से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित छह दिवसीय आवासीय किराना दुकान प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।प्रशिक्षण में फूलो झानो आशीर्वाद अभियान से जुड़ी 15 महिला लाभुकों ने सहभागिता कर व्यवसाय प्रबंधन से संबंधित व्यावहारिक एवं तकनीकी जानकारी प्राप्त की।प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य लाभुकों को किराना व्यवसाय की स्थापना, संचालन, वित्तीय प्रबंधन, ग्राहक व्यवहार, स्टॉक प्रबंधन तथा उद्यमिता विकास से संबंधित आवश्यक ज्ञान एवं कौशल प्रदान करना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने छोटे व्यवसाय को स्वरोजगार के प्रभावी माध्यम के रूप में अपनाने में विशेष रुचि दिखाई तथा आत्मनिर्भर बनने की दिशा में सकारात्मक उत्साह प्रदर्शित किया।उल्लेखनीय है कि फूलो झानो आशीर्वाद अभियान झारखंड सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से हाड़ीया एवं दारू बिक्री से जुड़ी महिलाओं को वैकल्पिक, सुरक्षित एवं सम्मानजनक आजीविका के अवसरों से जोड़ा जा रहा है। यह अभियान कौशल विकास, वित्तीय समावेशन एवं आजीविका विविधीकरण के माध्यम से महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का कार्य कर रहा है। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर जिला स्तरीय टीम द्वारा प्रतिभागियों से संवाद स्थापित कर उनकी आवश्यकताओं, संभावनाओं एवं चुनौतियों की जानकारी प्राप्त की गई। इस दौरान व्यवसाय स्थापना के लिए ऋण सुविधा, विभिन्न सरकारी योजनाओं से अभिसरण, विपणन सहायता तथा आजीविका को अधिक सुरक्षित एवं टिकाऊ बनाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसायटी (जेएसएलपीएस) के जिला कार्यक्रम प्रबंधक गौरव जायसवाल, जिला प्रबंधक एवं नोडल पप्पू कुमार तथा द नज इंस्टीट्यूट के प्रोफेशनल्स शुभम एवं सुश्री प्रीति उपस्थित रहे।समापन अवसर पर जिला टीम ने लाभुकों को आश्वस्त किया कि व्यवसाय स्थापना एवं आजीविका सुदृढ़ीकरण के लिए जेएसएलपीएस एवं सहयोगी संस्थाओं की ओर से निरंतर मार्गदर्शन एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ते हुए अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना सकें।

गैस की होम डिलीवरी के नाम पर खुली लूट की छूट

अवैध वसूली से ग्राहक परेशान, कार्रवाई की मांग

संवाददाता

चतरा: जिले के हंटरगंज प्रखंड में अब गैस के लिए लंबी लाइनों की कतार भी नहीं लगती है। ओटीपी के बाद एक दो दिनों में ही गैस मिल जाती है। लेकिन, सबसे बड़ी समस्या गैस का सिलेंडर हंटरगंज पहुंचाने के नाम पर एजेंसी के संचालकों ने अपने कर्मियों को लूट की खुली छूट दे दी है।गोदाम से रसोई गैस का सिलेंडर हंटरगंज पहुंचाने के नाम पर कर्मी प्रत्येक उपभोक्ता से 30 से 40 रुपये अतिरिक्त वसूल रहे हैं। यह धंधा आज भी जारी है। जिसका खामियजा गैस लेने वालों को उठाना पड़ता है।शिकायत के बाद भी जिम्मेदार अवैध वसूली करने वालों के खिलाफ कार्रवाई से कतरा रहे हैं।इस बात की जानकारी गैस एजेंसी संचालक तक को नहीं हो पाती है। यह सारा खेल होम डिलीवरी के वाहन चालक और स्टॉफ के द्वारा की जाती है। नियमानुसार एक सिलेंडर को घर पहुंचाने पर उपभोक्ता से 969.5 रुपये लिए जाने चाहिए लेकिन नियमों को दरकिनार कर प्रत्येक उपभोक्ता से 1000 से लेकर 1010 रुपये लिए जा रहे हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि अतिरिक्त वसूली के इस खेल में एजेंसी के लोग भी शामिल हैं। यही कारण है कि एजेंसी पर शिकायत करने के बाद भी अतिरिक्त वसूली बंद नहीं हो रही है। सबसे हैरानी की बात यह है कि उपभोक्ताओं को रसीद भी नहीं दी जा रही है। जिससे उपभोक्ताओं में असमंजस की स्थिति बनी रहती है। जिसका मुख्य कारण यह है कि हंटरगंज में एक भी एचपी गैस का एजेंसी नहीं नहीं है। ताजा मामला प्रतापपुर रुद्रा एचपी गैस एजेंसी की है। आरोप है कि हंटरगंज में खुलेआम इस गैस एजेंसी के कर्मी एक गैस सिलेंडर के नाम पर 969.5 के जगह 1000 से 1010 रुपए उपभोक्ताओं से वसूल रहे हैं, उपभोक्ताओं का सबसे गंभीर आरोप है कि इसका रसीद भी नहीं दी जा रही है।

उपभोक्ता बेबी देवी का आरोप है कि हंटरगंज में एचपी गैस एजेंसी नहीं रहने के कारण, दुसरे प्रखंड के गैस एजेंसी के स्टॉप मनमानी कर रहे हैं। हंटरगंज पहुंचाने के नाम पर स्टॉप के द्वारा 30 से 40 रुपए लिए जाते है। यह अवैध कमाई है। बिना इस नजराना को दिए सिलेंडर मिलता ही नहीं है। जबकि इसको देखने वाला कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि मेरे पद साक्ष्य है जो मै ऑनलाइन गूगल पे से दिया हूं, एजेंसी स्टॉप में रसीद भी नहीं दी है।धनेश्वरी देवी का आरोप है कि यहां तो गैस सिलेंडर के नाम पर खुली लूट चल रही है, स्टॉप 30 से 40 रुपए प्रत्येक सिलेंडर में ले रहे हैं।अगर एक दिन में अगर ये 50 से 100 सिलेंडर की डिलीवरी करते हैं। तो यह राशि 1500 हजार से 2000 हजार तक पहुंच जाती है, यानि महीना में 45 हजार से लेकर 60 हजार अवैध कमाई हो जाती है। सबसे हैरानी की बात है कि इसका रसीद भी नहीं दी जाती है।लेकिन कोई अधिकारी कभी ना ही इसकी जांच करते है और ना ही कोई कार्रवाई होती है। जिससे इनका मनोबल बढ़ा रहता है। वरना इस अतिरिक्त रुपये लेने का क्या मतलब?हालांकि इस मामले में एजेंसी संचालक से संपर्क साधना चाहा लेकिन उनका मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा था।

बिना अनुमति तोड़ी स्कूल की दीवार

मुरी: हल्माद सरकारी स्कूल के चाहरदिवारी को तोड़ दिया गया है। गांव के पूर्व शिक्षक प्रहलाद महतो ने कहा कि बिना अनुमति व बगैर ग्रामीण को बताए दीवार कैसे तोड़ा, बताया जाये। इसके लेकर वे काफी नाराज थे। मौके पर पहुचे बिधायक अमित महतो को भी बताया। स्कूल में चल रहे अन्य कामों की लापरवाही का भी जिक्र किया।

55 लाख की लागत से हाकेदाग में स्वास्थ्य उपकेन्द्र का शिलान्यास

मुरी: सिल्ली प्रखण्ड अन्तर्गत हाकेदाग पंचायत के हाकेदाग में स्वास्थ्य का शिलान्यास किया गया। विधायक की उपस्थिति में बुजुर्ग महिला पंचु देवी के हाथो से शिलापट्ट का अनावरण किया गया। स्वास्थ्य उपकेन्द्र का लागत लगभग 55 लाख बताया गया जिसका निर्माण तीन महीने के अन्दर पुरा करने का लक्ष्य है। बिधायक अमित महतो ने कहा कि जो भी छुटा बढ़ा काम है उसको भी पुरा किया जाएगा ताकि इसका लाभ सभी को मिले। हेमन्त सोरेन का प्रयास है कि दबे कुचले, शोषित लोग स्तर बेहतर करने के लिए माईया सम्मान योजना के अलावा कई योजनाओं धरातल पर लाई जाएंगी। ग्रामीण लोगों के आलावा जेएमएम के लोग मौजूद रहे।

चतरा में गहराया पेट्रोल-डीजल संकट

घंटों मशक्कत के बाद भी नहीं मिल रहा पर्याप्त तेल

प्रवीण सिंह/मेट्रो रेज

चतरा: पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों के बोझ से वाहन संचालक अभी पूरी तरह उबर भी नहीं पाए हैं कि अब चतरा जिले में उत्पन्न ईंधन संकट ने उनकी परेशानियों को कई गुना बढ़ा दिया है। एक ओर महंगे पेट्रोल-डीजल का आर्थिक दबाव झेल रहे लोग पहले से ही परेशान थे, वहीं दूसरी ओर पंपों पर तेल की किल्लत ने उन्हें घंटों कतार में खड़े रहने और एक पंप से दूसरे पंप का चक्कर लगाने को मजबूर कर दिया है। हालात ऐसे हैं कि आवश्यक कार्यों के लिए भी लोगों को पर्याप्त ईंधन उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, जिससे आमजन, किसान, व्यापारी और वाहन संचालक परेशान हैं। जिला मुख्यालय समेत विभिन्न प्रखंडों में पेट्रोल और डीजल की किल्लत लगातार बनी हुई है। ईंधन संकट के कारण आम लोगों, वाहन चालकों, किसानों, व्यवसायियों और परिवहन क्षेत्र से जुड़े लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिले के कई पेट्रोल पंपों पर सुबह से ही वाहनों की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं, जबकि कई पंपों पर मशीन खराब है या तेल उपलब्ध नहीं है का बोर्ड टंगा हुआ है। स्थिति यह है कि लोग घंटों लाइन में लगने के बावजूद पेट्रोल और डीजल नहीं भरवा पा रहे हैं। बाइक और चारपहिया वाहन चालकों का आरोप है कि कई पेट्रोल पंप संचालक सीमित मात्रा में ही ईंधन दे रहे हैं। वहीं कुछ स्थानों पर कार चालकों को ईंधन नहीं दिए जाने की भी शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक ओर जिला प्रशासन और सरकार की ओर से जिले में पर्याप्त पेट्रोल-डीजल स्टॉक उपलब्ध होने का दावा किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत बिल्कुल अलग नजर आ रही है। यदि पर्याप्त स्टॉक मौजूद है तो फिर आम लोगों को ईंधन के लिए इतनी मशक्कत क्यों करनी पड़ रही है, यह बड़ा सवाल बन गया है ? लोगों ने आरोप लगाया है कि कुछ पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा रात के अंधेरे में डीजल और पेट्रोल की कालाबाजारी की जा रही है। आरोप है कि खुले बाजार में ऊंचे दामों पर ईंधन बेचे जाने के कारण दिन के समय पंपों पर कृत्रिम संकट उत्पन्न हो रहा है। लगातार बन रही संकट की स्थिति ने लोगों के बीच कई तरह की आशंकाओं को जन्म दे दिया है। ईंधन संकट का असर दैनिक जीवन पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। निजी वाहन चालकों के अलावा मालवाहक वाहनों, यात्री बसों, कृषि कार्यों में लगे ट्रैक्टरों और अन्य व्यावसायिक वाहनों के संचालन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कई लोगों ने बताया कि जरूरी कार्यों के लिए उन्हें अलग-अलग पेट्रोल पंपों का चक्कर लगाना पड़ रहा है। लोगों का आरोप है कि जिन पेट्रोल पंपों पर लगातार मशीन खराब होने या स्टॉक समाप्त होने की बात कही जा रही है, वहां विशेष जांच अभियान चलाया जाए। साथ ही यदि किसी पंप संचालक की भूमिका कालाबाजारी या कृत्रिम संकट पैदा करने में पाई जाती है तो उसके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। जिले में लगातार गहराते पेट्रोल-डीजल संकट ने न केवल आम जनता की परेशानी बढ़ा दी है, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था और ईंधन आपूर्ति तंत्र पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब लोगों की निगाहें जिला प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं कि आखिर इस समस्या का समाधान कब और कैसे निकल पाता है। हालांकि पेट्रोल पंप संचालकों ने आरोपों को निराधार बताया है, कहा है कि तेल का आवंटन जैसे-जैसे प्राप्त हो रहा है। ग्राहकों को सुविधानुसार उपलब्ध कराया जा रहा है। कालाबाजारी के आरोप पूरी तरह तथ्यहीन हैं।

विरोध के बीच शुरू हुआ रिम्स 2 का निर्माण कार्य भारी पुलिस बल की मौजूदगी में चला जेसीबी

मेट्रो रेज

रांची : लंबे समय से विवादों के केंद्र में रहा बहुचर्चित रिम्स 2 का निर्माण कार्य गुरूवार से शुरू हो गया। कांके क्षेत्र के नगड़ी में प्रस्तावित रिम्स 2 के लिए प्रशासन ने भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच निर्माण कार्य शुरू किया। हालांकि कार्य शुरू करने के दौरान ग्रामीणों ने विरोध भी किया, लेकिन पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में काम शुरू कर दिया गया। निर्माण स्थल पर सुबह से ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती कर दी गई थी। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए बड़ी संख्या

में पुलिस बल को लगाया गया। ग्रामीणों के विरोध को देखते हुए प्रशासन पूरी सतर्कता बरत रहा है। कांके अंचलाधिकारी और पुलिस अधिकारी लगातार ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें समझाने और शांत कराने का प्रयास कर रहे हैं।

ग्रामीणों का दावा उपजाऊ भूमि में बन रहा रिम्स 2: गौरतलब है कि रिम्स 2 परियोजना को लेकर पिछले कई महीनों से विवाद जारी है। स्थानीय ग्रामीणों और आदिवासी परिवारों का आरोप है कि जिस जमीन पर अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। वह उनकी कृषि योग्य भूमि है और उनकी आजीविका का प्रमुख स्रोत है। ग्रामीणों का कहना है कि वे विकास और अस्पताल निर्माण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन परियोजना को किसी अन्य गैर कृषि भूमि पर स्थापित किया जाना चाहिए। इस मुद्दे को लेकर पहले भी कई बार धरना प्रदर्शन, आंदोलन और राजनीतिक बयानबाजी हो चुकी है।

सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं के साथ बनेगा रिम्स 2: वहीं राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग का तर्क है कि रिम्स 2 झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई दिशा देगा। करीब एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली इस परियोजना के तहत अत्याधुनिक अस्पताल, मेडिकल शिक्षा और सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएं विकसित की जानी हैं। जिससे राज्य के मरीजों को बेहतर इलाज मिल सकेगा। निर्माण कार्य शुरू होने के साथ ही एक बार फिर ग्रामीणों और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति बनती दिखाई दे रही है, हालांकि प्रशासन का दावा है कि संवाद के माध्यम से समाधान निकालने की कोशिश जारी है। लेकिन ग्रामीण फिलहाल अपनी जमीन बचाने की मांग पर अड़े हुए है।

मौलाना आजाद कॉलेज में नामांकन प्रक्रिया शुरू, 25 जून तक होंगे एडमिशन

मेट्रो रेज

रांचीः मौलाना आजाद कॉलेज, रांची में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। कॉलेज में कला, विज्ञान और वाणिज्य संकायों में प्रवेश लिया जा रहा है। इच्छुक छात्र-छात्राएं ,8 जून से 25 जून 2026, तक नामांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं।

कॉलेज के बड़ा बाबू परवेज अहमद ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया विधिवत शुरू हो चुकी है और छात्र-छात्राओं में इसे लेकर उत्साह देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित अवधि के भीतर आवेदन जमा करना सुनिश्चित करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

परवेज अहमद ने बताया कि

कॉलेज में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ छात्रों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्होंने अभिभावकों और विद्यार्थियों से समय रहते नामांकन प्रक्रिया पूरी करने की अपील की।

कॉलेज प्रशासन ने कहा है कि नामांकन से संबंधित अधिक जानकारी के लिए छात्र-छात्राएं कॉलेज कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

बंद पड़े घर में चोरी, 15 हजार नगद व 25 लाख के गहने ले उड़े चोर

मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी रांची के खेलगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम न्यू खटंगा, पोस्ट सुगनु निवासी अनीश कुमार भारती के घर में बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। चोरों ने बंद पड़े मकान को निशाना बनाते हुए 15 हजार नकद और लगभग 25 लाख मूल्य के सोने-चांदी के आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनीश कुमार भारती अपने परिवार के साथ नेपाल यात्रा पर गए हुए थे। इस दौरान उनका घर कई दिनों तक बंद रहा। इसी का

फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने घर के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ दिया और अंदर प्रवेश कर अलमारी तथा अन्य सामानों की तलाशी ली।

नेपाल यात्रा से वापस लौटने पर परिवार के लोगों ने देखा कि घर का ताला टूटा हुआ है और घर के अंदर सामान बिखरा पड़ा है। जांच करने पर पता चला कि घर से 15 हजार नकद तथा लगभग 25 लाख के सोने-चांदी के गहने गायब हैं। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के होश उड़ गए। पीड़ित परिवार ने तत्काल इसकी सूचना खेलगांव थाना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ-साथ मामले की जांच में जुट गई है।स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे लोगों में भय का माहौल है। वहीं पुलिस ने जल्द ही चोरी की घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है।

फिलहाल खेलगांव थाना पुलिस अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

डाकघर की सेवाएं अब दिन- प्रतिदिन बेहतर होती जा रही हैं

मेट्रो रेज

रांचीः मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव रविशंकर राय ने कहा कि जिले के सभी डाकघरों में अब डिजिटल सेवा प्रदान किया जा रहा है। अब पैसों का लेन देन ऑनलाइन हो रहा है। सभी ग्राहकों को एटीएम कार्ड दिया जा रहा है जिससे किसी भी बैंक से ग्राहक पैसा निकाल सकते हैं।

पहले ग्राहकों को डाकघर से जो चेक बुक मिलता था उसमें उनका नाम अकांउट नंबर नहीं लिखा रहता था जिससे ग्राहकों को

कभी कभी परेशानी होती थी! अब ग्राहकों को चेक बुक फ्रॉम अप्लाई करने पर उनके निवास स्थान पर डाक द्वारा चेक बुक‘ मिल रहा है उस चेक बुक पर ग्राहकों का खाता संख्या और उनका नाम भी अंकित रहता है। उन्होंने डाकघर के सभी ग्राहकों से निवेदन किया है कि डाकघरों में जाकर इसका लाभ लिया जाए। पोस्टमास्टर मो जशीम खान ने कहा कि हम अपनी सभी डाकघर की जन कल्याणकारी योजनाओं को अपने सभी कर्मचारियों के साथ मिलकर पहुचाने के लिए डाकघर में रहते हैं किसी भी प्रकार की डाक विभाग की सेवा में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है सीधे हमसे संपर्क किया जा सकता है। हम सभी राष्ट्रहित,विभाग हित और कर्मचारी हित में कार्य करने के लिए कटिबंध है। सभी ग्राहकों की सेवा करना हमारा कर्तव्य है।

आज उन्होंने नाम लिखा,खाता संख्या छापा चेक बुक ग्राहकों को देते हुए हरसंभव मदद की बात कही ।

झारखंड के हाजियों का पहला जत्था लौटा वतन

कोलकाता एयरपोर्ट पर मंत्री हफीजुल हसन ने किया गर्मजोशी से इस्तकबाल

गुलाम शाहिद

रांचीः पवित्र हज यात्रा पूरी कर झारखंड के हाजियों का पहला जत्था गुरुवार को स्वदेश लौट आया। कोलकाता एयरपोर्ट पर झारखंड सरकार के मंत्री हफीजुल हसन ने हाजियों का फूल-मालाओं और शुभकामनाओं के साथ गर्मजोशी से इस्तकबाल किया।

पहले जत्थे में रांची, खूंटी, लोहरदगा और रामगढ़ जिलों के लगभग 300 हाजी शामिल थे। हज यात्रा से लौटे हाजियों के स्वागत के लिए एयरपोर्ट पर परिजनों, सामाजिक कार्यकताओं और हज खिदमतगारों की बड़ी संख्या मौजूद रही। हाजियों के सकुशल लौटने पर खुशी का माहौल देखने को मिला।

इस अवसर पर मंत्री हफीजुल हसन ने सभी हाजियों को हज की मुबारकबाद देते हुए उनके स्वस्थ एवं सुरक्षित लौटने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हज इस्लाम का महत्वपूर्ण स्तंभ है और यह यात्रा भाईचारे, त्याग तथा इंसानियत का संदेश देती है। हाजियों की सेवा और स्वागत व्यवस्था में खिदमतगारों ने भी अहम भूमिका निभाई। खिदमतगारों में मुख्य रूप से इकराम हुसैन, खुर्शीद अनवर, मो. नासिर तथा हज वॉलंटियर्स मो. लतीफ आलम, अरशद जेया, ईमान अहमद, अर्श आलम, रमजान और हाफिज इसराइल मौजूद रहे। हाजियों के परिजनों ने अपने प्रियजनों के लौटने पर खुशी जाहिर करते हुए उनका स्वागत किया और हज यात्रा के अनुभवों को साझा किया। झारखंड के अन्य हाजी जत्थों के भी आगामी दिनों में लौटने की उम्मीद है।

आजसू ने मारवाड़ी कॉलेज में बीसीए पाठ्यक्रम बंद करने के निर्णय का किया विरोध

छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष रांची विवि को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

रांचीः अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू छात्र संघ) की ओर से एक प्रतिनिधि मंडल ने मारवाड़ी कालेज में संचालित बीसीए पाठ्यक्रम को बंद करने के निर्णय/प्रस्ताव की ओर डीएसडब्ल्यू का ध्यान आकृष्ट कराया । प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि मारवाड़ी कॉलेज में बीसीए पाठ्यक्रम वर्षों से संचालित है तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सूचना प्रौद्योगिकी एवं कंप्यूटर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। आजसू छात्र संघ इस निर्णय का जोरदार विरोध करता

है। वर्तमान समय में आईटी एवं कंप्यूटर शिक्षा की मांग निरंतर बढ़ रही है। ऐसे में बीसीए जैसे महत्वपूर्ण व्यावसायिक पाठ्यक्रम को बंद करना छात्रों के हितों के विरुद्ध होगा। इससे हजारों विद्यार्थियों के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए उच्च तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने का अवसर सीमित हो जाएगा।

आजसू आग्रह करती है कि मारवाड़ी कॉलेज में बीसीए पाठ्यक्रम को बंद करने संबंधी किसी भी निर्णय को तत्काल निरस्त किया जाए तथा आगामी सत्रों में नियमित रूप से नामांकन एवं पठन-पाठन सुनिश्चित किया जाए। यदि छात्रों के हितों की अनदेखी कर इस निर्णय को लागू किया जाता है तो आजसू छात्र संघ छात्रहित में लोकतांत्रिक आंदोलन एवं व्यापक विरोध प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगा। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश सचिव सौरभ शर्मा,राजेश सिंह,सक्षम झा,अब्दुल खान एवं अन्य लोग उपस्थित थे

झारखंड में गरजेंगे बादल

बारिश के साथ 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना

संवाददाता

रांचीः झारखंड में अगले कुछ दिनों के दौरान मौसम का मिजाज बदलता रहेगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग, रांची केंद्र के अनुसार राज्य के अधिकांश हिस्सों में आंशिक बादल छाये रहेंगे। कई जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। साथ ही 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की चेतावनी जारी की गई है।

4-5 जून का मौसम : मौसम विभाग के अनुसार 4 जून 2026 को राज्य के पूर्वी और उससे सटे मध्य भागों में कहीं-कहीं गरज-चमक और वज्रपात के साथ 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। वहीं, 5 जून को राज्य में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर-पश्चिमी और उससे सटे मध्य भागों को छोड़कर राज्य के शेष क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

बढ़ सकता है तापमान : राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में पांच जून तक आंशिक बादल छाये रहने और गर्जन वाले बादल बनने की संभावना है। वहीं, 6 और 7 जून को बादल गरजने के साथ बारिश हो सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 36 से 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है।

समय-सीमा के अंदर बेहतर तरीके से करें एसआइआर

रातूः सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ रवि कुमार की अध्यक्षता में बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर व बीएलए-टू के साथ समन्वय बैठक हुई। जिसमें विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम, मैपिंग कार्य व हाउस-टू-हाउस सर्वेक्षण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गयी। अधिकारियों ने निर्वाचन संबंधी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने का निर्देश दिया। बीएलओ व सुपरवाइजरों को घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करने, नये पात्र मतदाताओं का नाम जोड़ने तथा त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों के सुधार को लेकर दिशा-निर्देश दिया गया। बीडीओ ने कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध व अद्यतन होना लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मजबूती के लिए जरूरी है। बैठक में बीएलए-टू की भूमिका, बूथ स्तर पर समन्वय तथा निर्वाचन आयोग के निदेशों के अनुपालन पर भी विस्तार से चर्चा की गयी। सभी कर्मियों से निर्वाचन संबंधी कार्यों को गंभीरता से लेते हुए सफलतापूर्वक संपन्न कराने की अपील की गयी। बैठक में बीएलए-टू से झामुमो के बेलाल अंसारी, शमीम मंसूरी, जावेद अंसारी, भाजपा के रितेश साहू, इमरान खान, गवर्नमेंट भगत आदि उपस्थित थे।

जमीन विवाद में विधायक नीरा यादव के निजी वाहन चालक की हत्या

मेट्रो रेज

कोडरमा : जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत चितरपुर गांव में जमीन विवाद ने एक बार फिर खूनी रूप ले लिया। बीती देर रात हुई हिंसक झड़प में कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव के निजी वाहन चालक राजकुमार यादव की हत्या कर दी गई। घटना के बाद पूरे गांव में तनाव का माहौल है, जबकि आक्रोशित लोगों ने दोषियों की गिरफ्तारी और थाना प्रभारी पर कार्रवाई की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया।

कार्यक्रम से लौटते समय मिली विवाद की सूचनाः जानकारी के अनुसार राजकुमार यादव देर रात विधायक डॉ. नीरा यादव के साथ एक कार्यक्रम में शामिल थे। झुमरीतिलैया से लौटने के दौरान उन्हें गांव में जमीन को

लेकर चल रहे विवाद की सूचना मिली। इसके बाद वह तुरंत अपने गांव चितरपुर पहुंचे। बताया जाता है कि वहां पहले से ही गोतिया परिवार के लोगों के साथ जमीन को लेकर विवाद चल रहा था।

घर पहुंचते ही शुरू हुई मारपीटः परिजनों के अनुसार जैसे ही राजकुमार यादव घर पहुंचे, दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि विरोधी पक्ष के लोगों ने धारदार हथियार से राजकुमार यादव पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मां, पिता और बेटी भी घायलः इस घटना में मृतक की बेटी सोनिका कुमारी, मां सुधा देवी और पिता दशरथ यादव भी गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी का इलाज कोडरमा सदर अस्पताल में चल रहा है। सोनिका कुमारी ने बताया कि जब वह घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचीं तो आरोपियों ने उन पर भी हमला कर दिया।

पहले भी हुआ था विवादः स्थानीय लोगों के अनुसार घटना से एक दिन पहले भी दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि उस दौरान मृतक की मां के साथ मारपीट की गई थी और उन्हें जमीन में आधा गाड़ने की कोशिश भी की गई थी। इसके बाद से गांव में तनाव का माहौल बना हुआ था।

विधायक ने पुलिस की भूमिका पर उठाए सवालः घटना की सूचना मिलते ही विधायक डॉ. नीरा यादव देर रात सदर अस्पताल पहुंचीं और पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने घटना पर दुख जताते हुए पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए। विधायक का कहना है कि विवाद की जानकारी पहले ही पुलिस को दे दी गई थी। यदि समय रहते कार्रवाई की जाती तो इस घटना को रोका जा सकता था।

आरोपियों की तलाश में छापेमारीः पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक पुलिस अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था।

शव रखकर सड़क जाम, थाना प्रभारी को हटाने की मांगः घटना से नाराज विधायक समर्थकों और ग्रामीणों ने राजकुमार यादव के शव के साथ कोडरमा थाना के सामने रांची-पटना मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने कोडरमा थाना प्रभारी विकास पासवान को तत्काल निलंबित करने, आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। सड़क जाम के कारण कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा। प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाने का प्रयास किया।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, सिमडेगा

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

लापता पुरूष सलन जोजो, सा0–खिजुरबेड़ा सिरिंगबेड़ा, थाना–टी0टॉगर, जिला–सिमडेगा, राज्य–झारखण्ड दिनांक–25.05. 2026 दिन मंगलवार को लोम्बोई बाजार के लिए निकले थे, जो अबतक अपने घर लौटे है। लापता पुरूष की बरामदगी अभी तक नहीं हो पायी है, जिसकी विवरणी निम्नवत् है:–

हुलिया की विवरणी :–
उम्र :– करीब 61 वर्ष।
रंग :– साँवला।
ऊँचाई :– 05 फीट 02 ईंच।
भाषा :– मुण्डारी।
बाल :– काला एवं घूँघरैला।
पहचान :– काला रंग का निकर, भूरा रंग का टी0शर्ट एवं हवाई चप्पल।

अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त लापता पुरूष के बारे में पता चलता है तो नीचे अंकित दूरभाष नं0 पर अविलंब सूचित करेंगे।

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा – मोबाइल नं0–9431116444
पुलिस उपाधीक्षक, (मु0) सिमडेगा – मोबाइल नं0–9431706227
थाना प्रभारी, टी0टॉगर – मोबाइल नं0–9431706232
पुलिस नियंत्रण कक्ष, सिमडेगा – मोबाइल नं0–9262998531
मानव तस्करी संबंधी टोल फ्री नं0 – मोबाइल नं0–1800–3456–256

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा

PR 381436 Simdega(26-27)#D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

वैश्विक तनावों के बीच भारत की आर्थिक दृढ़ता

पश्चिम एशिया में जारी तनाव, वैश्विक व्यापार में सुस्ती और विकसित अर्थव्यवस्थाओं की कमजोर पड़ती मांग के बीच यदि कोई देश अपेक्षाकृत आत्मविश्वास के साथ आज आगे बढ़ता दिखाई देता है, तो वह भारत है। वित्त वर्ष 2026-27 की शुरूआत में सामने आए जीएसटी संग्रह, विनिर्माण गतिविधियों और सेवा क्षेत्र के आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत स्थिति को दर्शा रहे हैं।

वस्तुतः मई 2026 में सकल जीएसटी संग्रह लगभग 1.94 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंचना इस बात का संकेत है कि आर्थिक गतिविधियों का दायरा लगातार बढ़ रहा है। यद्यपि शीर्ष स्तर पर यह वृद्धि केवल 3.2 प्रतिशत दिखाई देती है, किंतु रिफंड समायोजन के बाद वास्तविक राजस्व वृद्धि लगभग 9 से 10 प्रतिशत तक पहुंच जाती है। यह बताता है कि अर्थव्यवस्था में उपभोग और कारोबारी गतिविधियों का आधार अपेक्षाकृत मजबूत बना हुआ है।

वित्त वर्ष के शुरूआती दो महीनों में 4.37 लाख करोड़ रुपये का सकल जीएसटी संग्रह सरकार के लिए भी राहत का विषय है, क्योंकि इससे राजकोषीय लक्ष्यों को हासिल करने का विश्वास बढ़ता है। अप्रैल माह में वस्तुओं से जुड़ी कर योग्य आपूर्ति में लगभग 27 प्रतिशत की वृद्धि और सभी प्रमुख वस्तु श्रेणियों में विस्तार यह दशार्ता है कि भारतीय उपभोक्ता अभी भी खर्च करने की स्थिति में हैं। ग्रामीण और शहरी मांग में सुधार, बुनियादी ढांचे पर सरकारी निवेश तथा रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी ने बाजार में सकारात्मक माहौल तैयार किया है।

यहां विशेष बात यह भी है कि यह वृद्धि केवल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित न होकर व्यापक स्तर पर दिखाई दे रही है, जो किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए स्वस्थ संकेत माना जाता है। सेवा क्षेत्र का प्रदर्शन भी भारत की विकास गाथा का महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरा है। मई में सर्विसेज पीएमआई का बढ़कर 59.8 पर पहुंचना उस आर्थिक परिवर्तन का प्रमाण है जिसमें भारत धीरे-धीरे एक सेवा-प्रधान वैश्विक शक्ति के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। माल ढुलाई, डिजिटल सेवाएं, ई-कॉमर्स, मनोरंजन और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में बढ़ती मांग ने नए कारोबार को गति दी है।

विशेष रूप से विदेशी बाजारों से मिलने वाले ऑर्डरों में सुधार यह दशार्ता है कि वैश्विक स्तर पर भारतीय सेवाओं की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है। दिलचस्प तथ्य यह है कि अप्रैल में निर्यात आधारित सेवाओं की मांग में जो कमजोरी दिखाई दी थी, वह मई में काफी हद तक दूर हो गई। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, मलेशिया, संयुक्त अरब अमीरात और यूनाइटेड किंगडम जैसे देशों से बढ़ती मांग यह संकेत देती है कि भारत घरेलू खपत के बल के साथ आज वैश्विक सेवा अर्थव्यवस्था में भी अपनी हिस्सेदारी मजबूत कर रहा है।

विनिर्माण क्षेत्र के आंकड़े भी उत्साह बढ़ाने वाले हैं। मई में मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई का 55.0 तक पहुंचना बताता है कि उत्पादन, खरीद और नए ऑर्डरों में निरंतर विस्तार हो रहा है। विशेष रूप से इंटरमीडिएट और कैपिटल गुड्स क्षेत्रों में तेज वृद्धि यह संकेत देती है कि उद्योग भविष्य की मांग को लेकर आशावादी हैं। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश और निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी ने विनिर्माण गतिविधियों को नया आधार प्रदान किया है। यहां यह भी एक तथ्य है कि निर्यात ऑर्डरों की गति अपेक्षाकृत धीमी रही लेकिन एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया से प्राप्त मांग ने इस क्षेत्र को संतुलन प्रदान किया।

रोजगार के मोर्चे पर तस्वीर मिश्रित है। सेवा क्षेत्र में नियुक्तियों की गति मजबूत रही है और पिछले एक वर्ष में यह दूसरी सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई है। राज्यों के स्तर पर भी आर्थिक गतिविधियों में तेजी के संकेत उत्साहजनक हैं। कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और केरल जैसे राज्यों में जीएसटी संग्रह की मजबूत वृद्धि यह दशार्ती है कि विकास का लाभ कुछ क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहते हुए सर्वत्र व्याप्त है।

ऐसे में कहना यही होगा कि भारत की अर्थव्यवस्था इस समय एक ऐसे मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है, जहां उसके पास अवसर ही अवसर मौजूद हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि चुनौतियां नहीं हैं या कम हैं, वह भी बहुत हैं किंतु भारतीय पेशेवर उन तमाम चुनौतियों से जिस तरह से निपट रहे हैं, वह उत्साह एवं योग्यता वास्तव में प्रशंसनीय है। यही कारण है जो आज मजबूत घरेलू मांग, बढ़ता विनिर्माण, विस्तार करता सेवा क्षेत्र और स्थिर कर संग्रह आर्थिक मजबूती की तस्वीर पेश करते हैं।

इसके साथ जो समझने वाली बात है, वह यही है कि आयात पर निर्भरता, रोजगार सृजन की सीमित गति, वैश्विक अनिश्चितताएं और लागत संबंधी दबाव हम जितना अधिक कम कर सकेंगे उतना ही भारत के हित में है। निश्चित ही वर्तमान आंकड़े उम्मीद जगाते हैं कि वैश्विक अस्थिरता के दौर में भी भारत विकास का महत्वपूर्ण केंद्र बना रह सकता है, पर इस जिम्मेदारी का बराबर से अहसास भी कराते हैं कि इस आशा को स्थायित्व देने के लिए नीतिगत सतर्कता और संरचनात्मक सुधारों की गति बनाए रखना अत्यधिक आवश्यक है, जिसके लिए प्राणपण से हमें जुटे रहना होगा।

आसमान से बरसता अमृत, नालियों में बहता भविष्य

विभिन्न सरकारी रिपोर्टों, केंद्रीय जल बोर्ड के आकलनों और हालिया अध्ययनों के अनुसार देश की राजधानी दिल्ली में 2023-24 में भूजल दोहन 100 .77 प्रतिशत तक पहुंच गया था, अर्थात पुनर्भरण से अधिक पानी निकाला गया। 2024-25 में यह घटकर 92 .1 प्रतिशत हुआ, फिर भी कई क्षेत्र ओवर-एक्सप्लॉइटेड हैं। बेंगलूरू में भूजल दोहन लगभग 177 .3 प्रतिशत तक पहुंच चुका है।

डॉ. अनिल कुमार निगम

भारत में जल संकट दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। पृथ्वी का लगभग 71 प्रतिशत भाग जल से ढँका हुआ है, किंतु पीने योग्य मीठे पानी की मात्रा अत्यंत सीमित है। इसमें अत?श्योक?ति नहीं होगी अगर भविष्य में भारत के कुछ क्षेत्रों में ऐसी स्थिति आ जाए जहां पानी पेट्रोल से अधिक मूल्यवान हो जाए और पर्याप्त पैसा होने के बावजूद तत्काल स्वच्छ पानी उपलब्ध न हो। देश में जब भीषण गर्मी पड़ती है, शायद तभी हमें जल संकट की याद आती है लेकिन यह समस्?या ह्यसुरसा के मुंहह्न की तरह प्रत?येक वर्ष गंभीर होती जा रही है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है।

विभिन्न सरकारी रिपोर्टों, केंद्रीय जल बोर्ड के आकलनों और हालिया अध्ययनों के अनुसार देश की राजधानी दिल्ली में 2023-24 में भूजल दोहन 100.77 प्रतिशत तक पहुंच गया था, अर्थात पुनर्भरण से अधिक पानी निकाला गया। 2024-25 में यह घटकर 92.1 प्रतिशत हुआ, फिर भी कई क्षेत्र ओवर-एक्सप्लॉइटेड हैं। बेंगलूरू में भूजल दोहन लगभग 177.3 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। शहर में लगभग 3.7 लाख बोरवेल सक्रिय हैं और जल टैंकरों पर निर्भरता बढ़ रही है। जबकि 2025 के आकलन में बेंगलूरू और हैदराबाद को भारत के महानगरों में सबसे गंभीर भूजल संकट वाले शहर बताया गया। कई क्षेत्रों में जलस्तर 28 मीटर गहराई तक पहुंच गया है।

देश के 54 बड़े शहरी केंद्रों में से 23 शहरों में भूजल स्तर में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण गिरावट आई है। गिरावट की दर कई शहरों में 0.12 से 0.45 मीटर प्रति वर्ष तक पाई गई। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और बेंगलूरु जैसे महानगरों में अत्यधिक भूजल दोहन के कारण भूमि धंसाव की समस्या भी सामने आ रही है। पानी की बढ़ती समस्या के लिए कई कारण जिम्मेदार हैं। अधिसंख्य हाईराइज कॉलोनियों या सोसाइटियों में पानी की आपूर्ति के लिए निजी बोरवेल लगे होते हैं। वर्षों तक लगातार भूजल निकालने से जलस्तर नीचे चला जाता है और बोरवेल सूखने लगते हैं। टंकियों से पानी का ओवरफ्लो होना सामान्य बात है।

दूसरा प्रमुख कारण वर्षा जल संचयन का अभाव है। वास्तविकता तो यह है कि अनेक शहरों में पानी रिचार्ज करने से अधिक भू दोहन कर निकाला जा रहा है। सोसायटियों और मकानों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था नहीं है। अगर कहीं पर है भी तो वे महज शो पीस बनकर रह गए हैं क?योंकि वे फंक्शनल भी हैं या नहीं, इसकी नियमित निगरानी का जबरदस्?त अभाव है। इसलिए बारिश का पानी सीधे नालियों में चला जाता है, जिससे भूजल का पुनर्भरण नहीं हो पाता।

विकास के नाम पर भवनों, सड़कों और अन्य निर्माण कार्य अनियोजित तरीके से चल रहा है। भवनों के प्रांगण, सड़कों के किनारे, आंगन, खाली प्लॉट और मिट्टी वाले क्षेत्र अब सीमेंट, टाइल्स और कंक्रीट से ढँक दिए गए हैं। इससे वर्षा का पानी जमीन में जाने का रास्?ता बंद हो चुका है।

इसके अलावा आरओ सिस्टम का अपशिष्ट जल घरों में लगे आरओ फिल्टर एक लीटर शुद्ध पानी के लिए 24 लीटर तक पानी बाहर निकाले जाने से पानी नालियों में बह जाता है। कई कॉलोनियों में पानी की पाइप लाइनें पुरानी हैं। लीकेज से बड़ी मात्रा में पानी बर्बाद होता है। यही नहीं, पुराने तालाब, कुएं और जोहड़ शहरीकरण की भेंट चढ़ गए हैं। इससे प्राकृतिक जल संचयन प्रणाली कमजोर हो गई है। सबसे अहम बात यह है कि लोगों में पानी की बबार्दी रोकने को लेकर जागरूकता का भारी अभाव है।

देश में जल संकट का सबसे बड़ा कारण पानी की कमी नहीं बल्कि वर्षा जल का खराब प्रबंधन है। भारत में औसतन 1100झ1200 मिमी वर्षा होती है, जो विश्व औसत से कम नहीं है। समस्या यह है कि वर्षा का अधिकांश पानी कुछ दिनों में बहकर नदियों और अंततः समुद्र में चला जाता है, जबकि हम साल भर भूजल निकालते रहते हैं। यदि शहरों, सोसाइटियों, संस्थानों और उद्योगों में बड़े पैमाने पर वर्षा जल संचयन के लिए रेन हार्वेस्टिंग सिस्?टम अनिवार्य रूप से लागू हो जाए, तो जल संकट का बड़ा हिस्सा नियंत्रित किया जा सकता है। सीवेज ट्रीटमेंट ?लांट के पानी का सौ प्रतिशत पुनः उपयोग फ्लशिंग, बागवानी और सफाई करने के लिए उपयोग किया जाना चाहिए।

भारत में इस गंभीर समस्या के बारे में कह सकते हैं कि जल संकट का समाधान आसमान से गिरता है लेकिन हम उसे नालियों में बहा देते हैं। बिजली ऑडिट की तरह हर बड़ी सोसाइटी का वार्षिक जल ऑडिट हो और यह अनिवार्य कर दिया जाए कि जितना भूजल सोसायटी निकालेंगी, उतना या उससे अधिक रिचार्ज करना कानूनी रूप से अनिवार्य होगा। अधिकांश शहरों ने अपने प्राकृतिक जलाशयों को खो दिया है। इसलिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण काम किया जाना चाहिए कि शहरी झीलों और तालाबों का पुनर्जीवन किया जाए। भारत के इन्हें पुनर्जीवित करना भूजल रिचार्ज का सबसे सस्ता और प्रभावी तरीका है।

इस मामले में हमें इजराइल से सीखने में भी कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। उसने जल संकट पर नियंत्रण रखने के लिए वर्षा जल संरक्षण, जल पुनर्चक्रण, ड्रिप सिंचाई, और समुद्री जल का शोधन कर जल संकट को काफी हद तक नियंत्रित किया है। हमें जल संचयन के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे तभी हम आसमान से बरसने वाले ह्यअमृतह्न (पानी) को नालियों में बहने से रोक पाएंगे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

न्यायालय के आलोक में बेटी का अधिकार

यह निर्णय बताता है कि न्यायपालिका व्यक्ति की वास्तविक परिस्थितियों को प्राथमिकता देती है, न कि रूढ़िगत धारणाओं को। वास्तव में यह निर्णय भारतीय संविधान की मूल भावना का विस्तार है। संविधान के अनुच्छेद 14 सभी नागरिकों को कानून के समक्ष समानता प्रदान करता है, जबकि अनुच्छेद 15 लिंग के आधार पर भेदभाव को निषिद्ध करता है। यदि विवाहित पुत्र को परिवार का सदस्य माना जा सकता है

डॉ. निवेदिता शर्मा

भारतीय न्यायपालिका ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि न्याय हमेशा समाज की बदलती वास्तविकताओं को स्वीकार करते हुए समानता, गरिमा और मानवीय अधिकारों की रक्षा का सशक्त माध्यम है। उच्चतम न्यायालय द्वारा दिया गया हालिया निर्णय, जिसमें विवाहित बेटियों को अनुकंपा नियुक्ति एवं आश्रित कोटे के लाभों से बाहर रखने को असंवैधानिक ठहराया गया है, भारतीय न्यायिक इतिहास में महिला अधिकारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरगामी प्रभाव वाला निर्णय कहलाएगा । वास्तव में यह निर्णय उस सोच को भी चुनौती देता है जो विवाह के बाद बेटी को उसके माता-पिता के परिवार से अलग मान लेने की प्रवृत्ति रखती है। कई बार माता-पिता के लिए भी और कई बार परिवार के भाई एवं अन्य कुटुम्बजनों के लिए। न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने स्पष्ट कहा कि विवाहित पुत्री को ह्लपरिवारह्व की परिभाषा से बाहर रखना मनमाना, अनुचित तथा संविधान के समानता सिद्धांत के विपरीत है। आज न्यायालय की इस संबंध में अत्यंत सारगर्भित टिप्पणी बता रही है कि विवाह न तो बेटी और उसके माता-पिता के बीच के संबंध को समाप्त करता है और न ही यह मान लेने का कोई आधार देता है कि वह अब अपने परिवार पर आश्रित नहीं रही। इसके साथ ही यह कथन भारतीय समाज की वास्तविक स्थिति को अभिव्यक्त भी करता है, जहां आज असंख्य विवाहित बेटियां अपने माता-पिता की देखभाल करती हैं, उनके आर्थिक और सामाजिक संबल का आधार बनती हैं तथा कठिन परिस्थितियों में परिवार की पूरी जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाती हैं। आप यह भी कह सकते हैं कि कुलसुम निशा के मामले में न्यायालय ने कानून की व्याख्या नवीन अर्थों के साथ की है, जिसमें जीवन की वास्तविकताओं को महत्व दिया गया। याचिकाकर्ता अपनी माता के निधन के पश्चात अपनी बहनों, जिनमें एक दृष्टिबाधित बहन भी शामिल है, के भरण-पोषण की जिम्मेदारी निभा रही है। वे अपनी माता के साथ रहती थीं और उचित मूल्य की दुकान के संचालन में सहयोग करती थीं। इसके बावजूद, इसलिए उनकी अर्जी अस्वीकार कर दी गई थी क्योंकि वे विवाहित थीं। अब न्यायालय ने इस आधार को ही असंवैधानिक घोषित कर दिया है।

यह निर्णय बताता है कि न्यायपालिका व्यक्ति की वास्तविक परिस्थितियों को प्राथमिकता देती है, न कि रूढ़िगत धारणाओं को। वास्तव में यह निर्णय भारतीय संविधान की मूल भावना का विस्तार है। संविधान के अनुच्छेद 14 सभी नागरिकों को कानून के समक्ष समानता प्रदान करता है, जबकि अनुच्छेद 15 लिंग के आधार पर भेदभाव को निषिद्ध करता है। यदि विवाहित पुत्र को परिवार का सदस्य माना जा सकता है तो विवाह के कारण विवाहित पुत्री को उस अधिकार से वंचित करना स्पष्ट रूप से लैंगिक भेदभाव ही है। उच्चतम न्यायालय ने इसी असमानता को समाप्त करते हुए एक बार फिर यह संदेश दिया है कि अधिकार व्यक्ति की योग्यता, आवश्यकता और वास्तविक स्थिति के आधार पर निर्धारित होंगे, न कि उसके लिंग या वैवाहिक स्थिति के आधार पर।

अब यदि हम भारतीय संदर्भ में इस निर्णय को देखें तो ध्यान में आता है कि यह कोई अकेला उदाहरण नहीं है। भारतीय न्यायपालिका का अतीत महिलाओं और बेटियों के अधिकारों को निरंतर सुदृढ़ करने वाले निर्णयों से भरा हुआ है। वर्ष 2020 में उच्चतम न्यायालय ने विनीता शर्मा बनाम राकेश शर्मा मामले में निर्णय देते हुए स्पष्ट किया कि पुत्री जन्म से ही पैतृक संपत्ति में पुत्र के समान अधिकार रखती है। इस निर्णय ने हिंदू उत्तराधिकार कानून की प्रगतिशील व्याख्या की। साथ में यह भी स्थापित किया कि बेटी परिवार की समान उत्तराधिकारी है, कोई गौण सदस्य नहीं। इससे पूर्व भी विभिन्न मामलों में न्यायालय ने महिलाओं के संपत्ति अधिकार, गरिमामय जीवन, कार्यस्थल पर सुरक्षा और समान अवसरों को संविधान की मूल भावना के अनुरूप सुदृढ़ किया है। हम यहां यदि भारतीय न्याय परंपरा के व्यापक इतिहास को देखें तो यह कहना अनुचित होगा कि यहां स्त्री या पुत्री के प्रति न्याय का अभाव रहा है। भारतीय संस्कृति और न्याय-दर्शन में नारी को सम्मान का केंद्र माना गया है। मनुस्मृति का प्रसिद्ध वचन भी है, ह्ययत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताःह्व इसका आशय यह है कि जहां महिलाओं का सम्मान होता है, वहीं समृद्धि, सद्भाव और श्रेष्ठता का वास होता है। यद्यपि समय के साथ सामाजिक व्यवहार में अनेक विकृतियां आईं और कुछ परंपराओं का दुरुपयोग भी हुआ, किंतु भारतीय न्याय-दर्शन का मूल स्वर सदैव नारी सम्मान और संरक्षण के पक्ष में रहा है। याज्ञवल्क्य स्मृति, नारद स्मृति तथा अन्य प्राचीन विधि-ग्रंथों में स्त्रीधन और महिलाओं के अधिकारों को मान्यता दी गई है। भारतीय सभ्यता में माता को सर्वोच्च सम्मान दिया गया, कन्या को पूजनीय माना गया और परिवार व्यवस्था में महिला की केंद्रीय भूमिका को स्वीकार किया गया। आधुनिक भारत का संविधान इसी सांस्कृतिक आधार को लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ जोड़कर आगे बढ़ाता है, इसलिए जब उच्चतम न्यायालय बेटियों के अधिकारों की रक्षा करता है, तब वह सिर्फ आधुनिक संवैधानिक मूल्यों का पालन नहीं करता बल्कि भारतीय न्याय परंपरा के उस श्रेष्ठ पक्ष को भी आगे बढ़ाता है जिसमें व्यक्ति की गरिमा सर्वोपरि मानी गई है। उच्चतम न्यायालय के इस निर्णय का सबसे बड़ा संदेश यह है कि परिवार का अर्थ रक्त संबंधों की औपचारिक परिभाषा से ऊपर उठकर जिम्मेदारी, स्नेह, सहयोग और पारस्परिक निर्भरता है। आज की सामाजिक परिस्थितियों में यह मान लेना कि विवाह के बाद बेटी का अपने माता-पिता से संबंध समाप्त हो जाता है, वास्तविकता से परे है। अनेक परिवारों में बेटियां ही माता-पिता की सबसे बड़ी शक्ति और सहारा होती हैं इसलिए किसी कल्याणकारी योजना, अनुकंपा नियुक्ति या आश्रित कोटे के लाभ से उन्हें वैवाहिक स्थिति के आधार पर वंचित करना न्याय और समानता दोनों के विरुद्ध है।

यह निर्णय उन लाखों बेटियों के लिए आशा का संदेश है जो अपने परिवारों की जिम्मेदारियां निभा रही हैं और समाज में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रही हैं। साथ ही यह प्रशासनिक तंत्र के लिए भी स्पष्ट निर्देश है कि कल्याणकारी योजनाओं का संचालन संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप किया जाए, न कि पुरानी और अप्रासंगिक धारणाओं के आधार पर। वहीं आज भारतीय न्यायपालिका का यह निर्णय इसलिए विशेष प्रशंसा का पात्र है क्योंकि उसने एक व्यापक सामाजिक संदेश दिया है कि बेटी विवाह के बाद भी बेटी ही रहती है; उसका अपने परिवार पर अधिकार, दायित्व और संबंध किसी वैवाहिक बंधन से समाप्त नहीं होते। निःस्संदेह, उच्चतम न्यायालय का यह निर्णय भारतीय न्याय व्यवस्था की संवेदनशीलता, प्रगतिशीलता और न्यायप्रियता का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह निर्णय आने वाले समय में महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक के रूप में स्मरण किया जाएगा तथा यह संदेश देता रहेगा कि भारत की न्याय व्यवस्था में बेटी कभी पराई नहीं होती, वह सदैव ही अधिकारों और सम्मान की समान भागीदार होती है।

(लेखिका, मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष हैं।)

यूपी की वो जगह जहां कलियुग की नो इट्री

कलियुग चारों युगों में आखिरी युग है। कलियुग की अवधि अन्य तीनों युगों से सबसे कम मानी गई है। वेद पुराण के मुताबिक कलियुग में लालच, अधर्म, हिंसा और अज्ञानता की अधिकता रहेगी। उत्तर प्रदेश में स्थित नैमिषारण्य को एक बेहद पवित्र हिंदू तीर्थ स्थल माना गया है। नैमिषारण्य तीर्थ स्थल को लेकर धार्मिक मान्यता है कि अभी तक इस स्थान पर कलियुग का प्रवेश नहीं हुआ है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको नैमिषारण्य के महत्व के बारे में बताने जा रहे हैं। बता दें कि यूपी के सीतापुर जिले में गोमती नदी के तट पर नैमिषारण्य तीर्थ स्थित है। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक यह वही स्थान है, जहां पर अभी तक कलियुग का प्रवेश नहीं हुआ है। यानी की नैमिषारण्य कलियुग के प्रभाव से पूरी तरह मुक्त है।

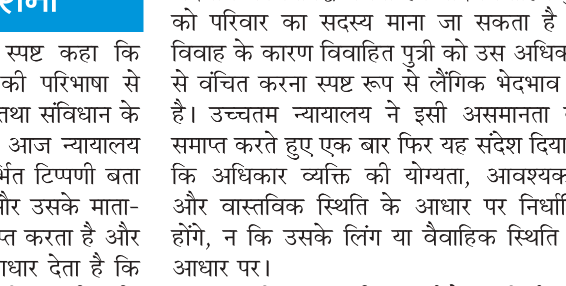

पवित्र है ये स्थान

कथा के मुताबिक महाभारत के युद्ध के बाद साधु-संत कलियुग की शुरूआत को लेकर काफी चिंतित थे। तब उन्होंने सृष्टि के रचयिता ब्रह्माजी से मदद मांगी और ऐसे स्थान के बारे में पूछा, जो कलियुग के प्रभाव से हमेशा मुक्त रहे। तब ब्रह्माजी ने अपना 'मनोमय चक्र' छोड़ा और कहा कि जहां भी यह चक्र रुकेगा, वह स्थान कलियुग के प्रभाव से मुक्त रहेगा। ब्रह्माजी का चक्र नैमिष वन में आकर रुका, जिसके बाद साधु-संतों ने इस स्थान को अपनी तपोभूमि बना ली।

जानिए नैमिषारण्य का महत्व

महाभारत समेत कई ग्रंथों में नैमिषारण्य का जिक्र एक घने जंगल के तौर पर मिलता है। जिसको नीमषार या नैमिष के नाम से भी जाना जाता है। यह हिंदुओं के सभी तीर्थों में सबसे पवित्र और पहला तीर्थ स्थान माना जाता है। नैमिषारण्य का संबंध ब्रह्माजी, भगवान विष्णु, देवी सती और महादेव से माना जाता है। यहां पर 33 कोटि देवी-देवताओं का निवास भी माना जाता है। इसके दर्शन के बाद ही चार धाम यात्रा पूरी मानी जाती है। माना जाता है कि अगर कोई इस पवित्र भूमि पर 12 वर्षों तक तपस्या करता है, तो उसको ब्रह्मलोक की प्राप्ति होती है। यह जगह विशेष रूप से 84 कोस परिक्रमा के लिए फेमस है। जिसकी शुरूआत फाल्गुम माह की अमावस्या के बाद होती है। इसके अलावा नैमिषारण्य में हनुमान गढ़ी, ललिता देवी मंदिर, व्यास गद्दी और चक्रतीर्थ जैसे प्रमुख स्थान मौजूद हैं।

टिप्स

आपकी ये 4 आदतें बच्चे को बना रही हैं जिद्दी,

हर माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे में अच्छी आदतें आएं। लेकिन परवरिश के इस सफर में, पेरेंट्स अक्सर अनजाने में कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे बच्चे स्वभाव से जिद्दी होने लगते हैं। अगर आपका बच्चा भी बात-बात पर अड़ जाता है, अपनी मर्जी चलाता है, चिल्लाता है या आपकी बात बिल्कुल नहीं सुनता, तो यह थोड़ा रुककर सोचने का वक्त है। मुमकिन है कि बच्चे के इस व्यवहार के पीछे आपकी ही कुछ आदतें हों। आइए जानते हैं माता-पिता की उन आम आदतों के बारे में, जो धीरे-धीरे बच्चों को जिद्दी बना देती हैं।

जरूरत से ज्यादा ऑप्शन देना

आज के दौर में पेरेंट्स बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें खुश रखने के लिए हर छोटी-बड़ी चीज में चॉइस देने लगते हैं। बच्चों को चॉइस देना अच्छी बात है, लेकिन जरूरत से ज्यादा ऑप्शन बच्चों को कन्फ्यूज कर देते हैं। जब बच्चों को हमेशा अपनी मर्जी चलाने की आदत हो जाती है, तो उन्हें लगता है कि हर फैसले के मालिक वही हैं। ऐसे में जब असल जिंदगी में उन्हें अपनी पसंद की चीज नहीं मिलती, तो वे उसे बर्दाश्त नहीं कर पाते और जिद करने लगते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

बिरसा हरित ग्राम योजना के आम को मिल रहा उचित बाजार सखी मंडल की दीदियां बन रहीं आत्मनिर्भर

नौ प्रखंडों में स्टॉल के माध्यम से किसानों व महिलाओं को होगा लाभ

संवाददाता

साहिबगंज : ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण, महिला सशक्तिकरण एवं किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य दिलाने की दिशा में साहेबगंज जिला प्रशासन, झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी , मनरेगा एवं किसान उत्पादक कंपनियों के संयुक्त प्रयास से एक महत्वपूर्ण पहल की शुरूआत की गई है। बुधवार को उप विकास आयुक्त श्री सतीश चंद्रा द्वारा विधिवत फीता काटकर आम विक्रय केंद्र का उद्घाटन किया गया।इस अवसर पर बताया गया कि बिरसा हरित ग्राम योजना अंतर्गत लाभुक किसानों द्वारा उत्पादित आम को पलाश एवं अपना मार्ट के माध्यम से उचित मूल्य पर बाजार उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए जिले के नौ प्रखंडों में आम विक्रय स्टॉल स्थापित किए गए हैं, जहां स्थानीय स्तर पर उत्पादित आम्रपाली, मालदा एवं मालिका किस्म के आमों की बिक्री की जा रही है।उप विकास आयुक्त ने कहा कि यह पहल किसानों की आय बढ़ाने, बिचौलियों की भूमिका कम करने और स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलेगा तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्राप्त होगी। साहिबगंज जिले के बोरियो सहित विभिन्न प्रखंडों में पलाश से जुड़ी सखी मंडल की दीदियां इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। महिलाएं स्वयं सहायता समूहों, बिरसा हरित ग्राम योजना के लाभुकों एवं स्थानीय किसानों से आम खरीदकर उपभोक्ताओं तक पहुंचा रही हैं। इससे एक ओर किसानों को बाजार उपलब्ध हो रहा है तो दूसरी ओर महिलाओं के लिए आय का एक स्थायी स्रोत विकसित हो रहा है।

झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी एवं मनरेगा के संयुक्त प्रयास से जिले में बिरसा हरित ग्राम योजना के अंतर्गत कुल 883 एकड़ क्षेत्र में आम का उत्पादन किया गया है। इस वर्ष लगभग 732 मीट्रिक टन आम के उत्पादन का अनुमान है। इस उत्पाद को तीन किसान उत्पादक कंपनियों के माध्यम से बाजार से जोड़ते हुए अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आम विक्रय केंद्रों पर गुणवत्तापूर्ण एवं ताजे आम उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे स्थानीय उपभोक्ताओं को भी सीधे किसानों से जुड़े उत्पाद प्राप्त हो रहे हैं। वहीं, सखी मंडल की महिलाओं को विपणन, व्यवसाय प्रबंधन एवं उद्यमिता का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो रहा है, जिससे उनका आत्मविश्वास एवं आर्थिक सशक्तिकरण बढ़ रहा है।पलाश द्वारा महिलाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बैंक लिंकेज, कौशल विकास प्रशिक्षण, बाजार संपर्क एवं विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। आम विक्रय केंद्र की यह पहल इन प्रयासों का एक सफल उदाहरण बनकर सामने आई है।यह पहल न केवल किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने में सहायक सिद्ध होगी, बल्कि महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के नए अवसर भी सृजित करेगी। बिरसा हरित ग्राम योजना, पलाश मनरेगा एवं किसान उत्पादक कंपनियों के समन्वित प्रयास से साहेबगंज जिले में ग्रामीण विकास एवं आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिखी जा रही है।

न्यूज IN ब्रीफ

गंगा भारतीय संस्कृति आस्था और जीवन का आधार है : डॉ रणजीत

साहिबगंज : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण गंगा स्वच्छता एवं जनजागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से साहिबगंज के मुक्तेश्वर घाट पर जिला गंगा समितिक्षसाहिबगंज द्वारा विशेष गंगा आरती का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि मुक्तेश्वर घाट पर साप्ताहिक गंगा आरती प्रत्येक नियमित रूप से आयोजित की जाती है।कार्यक्रम में जिला गंगा समिति के सदस्य प्रो॰ डॉ॰ रणजीत कुमार सिंह ने उपस्थित श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण और गंगा की स्वच्छता एवं निर्मलता बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गंगा केवल एक नदी नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति आस्था और जीवन का आधार है।इसलिए इसके संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।गंगा आरती का विधिवत संचालन पुरोहित अजय कुमार पांडे, विजय कुमार पांडे एवं संजय कुमार पांडे द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया। आरती के दौरान घाट परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा जबकी कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता तथा गंगा नदी को प्रदूषणमुक्त रखने का संकल्प लिया। जिला गंगा समिति का अपील पर्यावरण संकल्प पेड़ लगाए जल बचाए और प्लास्टिक हटाए आयोजकों ने आम नागरिकों से भी पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है।इस अवसर पर नगर परिषद, साहिबगंज की ओर से सफाई इंस्पेक्टर प्रिंस कुमार, पवन कुमार, सुनील कुमार, रोहित कुमार, सिटी मैनेजर रवि कुमार, कुसुम कुमारी एवं पीयूष कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग रहे उपस्थित।

घुसपैठ पर लगाम के लिए संथाल परगना और गौड़ बंगा बने केंद्र शासित प्रदेश : संत

साहिबगंज/राजमहल : झारखंड के संथाल परगना और पश्चिम बंगाल के गौड़ बंगा क्षेत्र में बढ़ती अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ और तेजी से बदलते जन संख्यिकीय असंतुलन पर चिंता जताते हुए 'हिन्दू धर्म रक्षा मंच' के केंद्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक महत्वपूर्ण पत्र भेजा है।इस पत्र के माध्यम से उन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए झारखंड के संथाल परगना और पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती जिलों को मिलाकर एक नए केंद्र शासित प्रदेश के गठन की मांग की है। प्रेस को जारी बयान में संत कुमार घोष ने कहा कि संथाल परगना क्षेत्र विशेषकर साहिबगंज और पाकुड़ और पश्चिम बंगाल का गौड़ बंगा क्षेत्र विशेषकर मालदा और मुर्शिदाबाद भौगोलिक और रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील हैं।पिछले कुछ दशकों में इन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर हुई अवैध घुसपैठ के कारण स्थानीय जनसांख्यिकी में चिंताजनक बदलाव आया है,जिसे विभिन्न प्रशासनिक रिपोर्टों में भी स्वीकार किया गया है।आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े होने के कारण राष्ट्रविरोधी तत्व इस क्षेत्र का अनुचित लाभ उठा रहे हैं।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आंतरिक सुरक्षा नीति और बांग्लादेश सीमा से सटे सीमांचल क्षेत्र को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की जो योजना चल रही है।उसमें झारखंड के संथाल परगना को भी अनिवार्य रूप से जोड़ा जाना चाहिए।मंच के अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को भेजे पत्र में इस ऐतिहासिक निर्णय से होने वाले तीन मुख्य दूरगामी फायदों को रेखांकित किया है।उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट होने के कारण,केंद्र सरकार के प्रत्यक्ष नियंत्रण से घुसपैठ,तस्करी और अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह से कड़ाई से अंकुश लगाया जा सकेगा। चौमुखी और तीव्र विकास सीधे केंद्रीय बजटीय आवंटन से इस पिछड़े क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर,उच्च शिक्षा,रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं का त्वरित विकास होगा।कहा कि केंद्रीय एजेंसियों के सीधे प्रशासनिक नियंत्रण में आने से अलगाववादी और असामाजिक तत्वों का पूरी तरह खात्मा संभव हो सकेगा।श्री घोष ने प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच और मजबूत इच्छाशक्ति पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि देश की संप्रभुता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने के लिए यह निर्णय नए भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा।उन्होंने उम्मीद जताई है कि केंद्र सरकार इस बेहद संवेदनशील और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषय पर शीघ्र ही सकारात्मक कदम उठाएगी।

पेयजल सेवा केंद्र से रोजाना सैकड़ों लोगों को मिल रही राहत

साहिबगंज/उधवा: भीषन गर्मी और चिलचिलाती धूप से जहां आमजन जीवन अस्त-व्यस्त है, वहीं उधवा प्रखंड क्षेत्र की महिलाओं ने मानव सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया है। अमानत आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्राथमिक स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड, क्लस्टर अमानत की महिलाओं द्वारा उत्तर पियारपुर स्थित अली बाबा रोज पब्लिक स्कूल के समीप लगातार पेयजल सेवा केंद्र का संचालन किया जा रहा है। समिति की इस जनहितकारी पहल के तहत राहगीरों विद्यार्थियों श्रमिकों एवं स्थानीय ग्रामीणों को प्रतिदिन शुद्ध एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। सेवा कार्यक्रम का संचालन सीसी उत्पल दत्ता एवं आईपीआरपी अनंत कुनाई के मार्गदर्शन और सहयोग में किया जा रहा है। उनके नेतृत्व में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं प्रतिदिन केंद्र पर उपस्थित रहकर पूरी निष्ठा, समर्पण और सेवा भाव से लोगों की प्यास बुझाने में जुटी हैं। भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान के बीच यह सेवा केंद्र लोगों के लिए राहत का बड़ा माध्यम बन गया है। स्थानीय लोगों ने महिलाओं की इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। ग्रामीणों का कहना है कि महिलाओं द्वारा संचालित यह पेयजल सेवा केंद्र सामुदायिक सहयोग सामाजिक जिम्मेदारी और महिला सशक्तिकरण की भावना को मजबूत कर रहा है। समिति के प्रतिनिधियों ने बताया कि जनहित को ध्यान में रखते हुए यह सेवा कार्य आगे भी जारी रखने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही लोगों को जल संरक्षण, स्वच्छ पेयजल के महत्व तथा पानी बचाने के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।

पूर्व विधायक बेनी प्रसाद गुप्ता की हृदयाघात से निधन, शोक की लहर

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : पाकुड विधानसभा क्षेत्र से वर्ष 1990 व 1995 में दो बार विधायक रह चुके भारतीय जनता पार्टी वरिष्ट नेता माने जाने वाले पूर्व विधायक बेनी प्रसाद गुप्ता की बुधवार को दिल का दौरा पड़ने से अचानक निधन हो गया।उनके निधन की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ पड़ी है।जानकारी के अनुसार पूर्व विधायक बेनी प्रसाद गुप्ता बुधवार की रात्रि राँची से पाकुड पहुँचे थे,लौटने के बाद अचानक उनकी तबियत बिगड़ने लगी,जिसके बाद उनके निजि सहायक उन्हें आनन फानन में पाकुड के सदर अस्पताल लेकर पहुँचे,जहाँ चिकितसकों ने जाँच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सरल व शिष्टाचारी स्वभाव के थे विधायक -श्यामल दास

बरहरवा नगर पंचायत के पूर्व नगर अध्यक्ष श्यामल दास ने कहा कि राजनीतिक जीवन के साथ-साथ बेनी प्रसाद गुप्ता अपने मिलनसार और सहज स्वभाव के लिए भी जाने जाते थे. क्षेत्र के लोग उन्हें बेहद सम्मान की दृष्टि से देखते थे.उनके करीबी बताते हैं कि वह हमेशा आम लोगों के बीच रहते थे और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते थे.इसी कारण उन्हें पाकुड़ की राजनीति में एक लोकप्रिय जननेता माना जाता था,उनसे व्यक्तिगत सम्बन्ध के साथ साथ हमारे लिए वो मार्गदर्शक के साथ साथ हमारे अभिभावक स्वरूप थे गुरुवार को होगा अंतिम संस्कार परिजनों के अनुसार धूलियांन गंगा घाट पर पूरे विधि-विधान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा,इस दौरान उनके परिजनों के साथ साथ पार्टी के कार्यकर्ता व समर्थक भारी संख्या में शामिल हो सकते है।उनके निधन से पाकुड के जनप्रतिनिधियों व विभिन्न पार्टी के नेताओ ने संवेदना व्यक्त की है। पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने व्यक्त किया शोक संवेदना झारखंड सरकार के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के भाजपा से पूर्व विधायक रहे बेनी प्रसाद गुप्ता के हृदय गति रूकने से हुई निधन हमारे आपसी रिश्तों का व्यक्तिगत नुकसान हुआ है हम एक दूसरे के राजनीतिक विरोधी हमेशा से रहे हैं लेकिन उनका व्यवहार और व्यक्तिगत लगाव हमेशा से बेहतर रहा है।वह एक नेक दिल इंसान थे उनके असमय चले जाने से पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र को एक काफी बडा नुकसान हुआ है उनकी कमी हमेशा खलेगी, इस दुख की घड़ी में उनके परिवार को हमारी संवेदनाएं हैं,ईश्वर उनके परिवार को यह असहनीय दुःख सहन करने की शक्ति दे।हलाँकि भाजपा के पूर्व विधायक रह चुके बेनी प्रसाद गुप्ता वर्तमान में राजनैतिक गतिविधियों में सक्रिय तो नहीं थे लेकिन स्थानीय लोगों में उनके व्यवहार और शिष्टाचारी सम्बंध हमेशा से रहा है।

अबुआ व पीएम आवास योजनाओं की हुई समीक्षा कार्य में तेजी लाने का निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज : उधवा प्रखंड कार्यालय कक्ष में मंगलवार को लंबित अबुआ आवास एवं प्रधानमंत्री आवास योजनाओं की प्रगति को लेकर साप्ताहिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड समन्वयक आवास संदीप कुमार गुप्ता ने की। बैठक में प्रखंड समन्वयक श्री गुप्ता ने आवास कर्मियों के साथ पंचायतवार समीक्षा करते हुए लंबित आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि अबुआ आवास योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 के 45 तथा वित्तीय वर्ष 2024-25 के 68 आवास अभी लंबित हैं। वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 1315 आवास लंबित हैं। उन्होंने जानकारी दी कि संबंधित लाभुकों के बैंक खातों में द्वितीय किस्त की राशि भेजी जा चुकी है। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना के 2140 लाभुकों के खातों में प्रथम किस्त की राशि भी हस्तांतरित की गई है। प्रखंड समन्वयक ने सभी आवास कर्मियों को निर्देश देते हुए कहा कि लंबित आवासों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा कराया जाए। उन्होंने आगे कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने पर विशेष जोर दिया। बैठक में कम्प्यूटर ऑपरेटर अकरम आलम, जनसेवक सह आवास प्रभारी ओमप्रकाश साहा, बिसंभर दास, गिरिधारी मंडल, प्रेमनंदन चौड़े, सिकंदर अली, विनोद मंडल, संतोष कुमार सुमन, सत्यनारायण रजवार, उदय कुमार मंडल सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

महायज्ञ का उद्देश्य समाज में नैतिक मूल्यों का प्रसार करना है : अमरकांत

संवाददाता

साहिबगंज : बरहरवा प्रखंड के मालिन ग्राम में आयोजित राम कथा महायज्ञ के उपलक्ष्य में श्रद्धा और भक्ति के वातावरण के बीच वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।हवन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर विश्व कल्याण,सुख-समृद्धि एवं क्षेत्र की खुशहाली की कामना की।हवन सम्पन्न होने के बाद ब्राह्मण भोज का आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धापूर्वक ब्राह्मणों को भोजन कराया गया।साथ ही अंग वस्त्र एवं दक्षिणा स्वरूप अन्य द्रव्य भेंट कर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने धार्मिक परंपराओं का पालन करते हुए संत-महात्माओं व ब्राह्मणों का आशीर्वाद प्राप्त किया।कार्यक्रम के दौरान पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल से सराबोर रहा।श्रद्धालुओं ने राम नाम का संकीर्तन करते हुए धार्मिक अनुष्ठानों में बढ़-चढ़कर भाग लिया।आयोजकों ने बताया कि राम कथा महायज्ञ का उद्देश्य समाज में धार्मिक,सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों का प्रसार करना है।इस अवसर पर मुख्य रूप से परमीत तिवारी, अमरकांत भगत, हीरालाल साहा, गोपाल साह, विक्की यादव, गोलू मिश्रा,संतोष मिश्रा,संजीव साहा,जयदेव,प्रजा सहित अनेक गणमान्य लोग एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

युवाओं को मुफ्त कौशल विकास का ट्रेनिंग देगा जिला प्रशासन

हजारीबाग : रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। बुधवार को आईटीआई परिसर, सिंदूर में आयोजित दत्तोपंत ठेंगरी रोजगार सह कौशल विकास मेला में युवाओं का उत्साह देखते ही बनता था। कार्यक्रम का उद्घाटन डीसी हेमन्त सती ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान उन्होंने कौशल विकास को आत्मनिर्भरता का आधार बताते हुए युवाओं से इसका अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। डीसी ने मेले में युवतियों की भारी संख्या में उपस्थिति देख प्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि यह महिलाओं की बढ़ती जागरूकता और आत्मनिर्भरता का सकारात्मक संकेत है। उन्होंने युवाओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आज बाजार में रोजगार की नहीं, बल्कि कुशल मानव संसाधन की मांग है। प्लंबर, इलेक्ट्रीशियन, स्वास्थ्य क्षेत्र में एएनएम जीएनएम और तकनीकी सेवाओं जैसे क्षेत्रों में युवाओं के लिए स्वरोजगार के व्यापक अवसर मौजूद हैं। डीसी ने घोषणा की कि जिला प्रशासन युवाओं को दक्ष बनाने के लिए एक विशेष योजना पर काम कर रहा है।

विकास योजनाओं के शिलान्यास से विकास को मिलेगी गति : विधायक

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने एवं आमजन को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में बुधवार को एक महत्वपूर्ण पहल के तहत पाकुड़ विधायक मोहतरमा निसात आलम द्वारा डीएमएफटी मद से स्वीकृत विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास किया गया। ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, साहिबगंज के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विधायक ने फीता काटकर एवं नारियल फोड़कर कई महत्वपूर्ण योजनाओं का शुभारंभ किया।शिलान्यास कार्यक्रम के अंतर्गत बरहरवा प्रखंड के विभिन्न पंचायतों एवं गांवों में पीसीसी सड़क,पुलिया, आरसीसी नाला एवं गार्डवाल निर्माण जैसी विकास योजनाओं की आधारशिला रखी गई।इन योजनाओं के पूर्ण होने से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बेहतर होगी तथा वर्षा के दौरान होने वाली परेशानियों से लोगों को राहत मिलेगी।विधायक निसात आलम ने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता है।उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों में सड़क,पुलिया एवं सुरक्षा दीवार जैसी आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होने से लोगों का जीवन स्तर बेहतर होगा और विकास की नई संभावनाएं खुलेंगी।उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं की गुणवत्ता बनाए रखते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया।शिलान्यास की गई प्रमुख योजनाओं में मधुवापाड़ा पंचायत के महादेवपुर गांव में पीसीसी पथ सह पुलिया निर्माण,हस्तीपाड़ा पंचायत के जुहीबोना गांव में पीसीसी पथ निर्माण,एनएच-80 से भुताही पोखर तक पीसीसी सड़क निर्माण तथा आहूतग्राम पंचायत के इस्लामपुर गांव में मुख्य सड़क से एकरामुल के घर तक पीसीसी सड़क निर्माण शामिल है।इसके अतिरिक्त आहूतग्राम गांव में डॉ.फिरोज की दुकान से असगर शेख के घर तक ढक्कनयुक्त आरसीसी नाला निर्माण,मुख्य सड़क से एनताजुल शेख के घर तक पीसीसी सड़क एवं गार्डवाल निर्माण की योजना का भी शिलान्यास किया गया।वहीं विन्दुपाड़ा पंचायत के विशनपुर गांव में सड़क सह गार्डवाल निर्माण,आहूतग्राम पंचायत में मुख्य सड़क से सहादत हुसैन के घर तक पीसीसी सड़क एवं गार्डवाल निर्माण तथा रहमतपुर गांव में मुख्य सड़क से विद्यालय होते हुए सुधु के घर तक पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया।मिजार्पुर में मुख्य सड़क से उर्दू विद्यालय होते हुए मोसार्रफ के घर तक पीसीसी सड़क निर्माण,मधुवापाड़ा पंचायत के बसना गांव में मुख्य सड़क से नाजीर के घर होते हुए पटाल भग्गी तक पीसीसी सड़क सह पुलिया निर्माण तथा कालू पंचायत के सपेड़ियापाड़ा गांव में कालू मल्ला तालाब के समीप मकान एवं सड़क बचाव हेतु सुरक्षात्मक गार्डवाल निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया गया।इसके अलावा नक्सीमोल के राय टोला में छोटा चांदपुर से बसना मुख्य सड़क तक पीसीसी पथ निर्माण,महाराजपुर पंचायत में पीसीसी सड़क निर्माण,हस्तीपाड़ा पंचायत के जुहीबोना गांव में सड़क सुरक्षा हेतु गार्डवाल निर्माण तथा पुरुलिया डंगा में गार्डवाल निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया गया।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान,प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास,मोफकर हुसैन,कार्यपालक अभियंता रमाकांत,कनीय अभियंता पंचानन कुमार रविदास, रमाशंकर,शैलेश, नेहाल अख्तर,थॉमस रॉबर्ट,शरिक रब्बानी, संवेदकगण, कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

क्या दुआ लीपा ने कैलम टर्नर से की शादी?

खबरें हैं कि पॉप स्टार दुआ लीपा और एक्टर कैलम टर्नर ने शादी कर ली है। दोनों की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं। हालांकि कलाकारों ने अपनी शादी को लेकर कुछ नहीं कहा है।

ग्लोबल पॉप स्टार दुआ लीपा और एक्टर कैलम टर्नर की शादी को लेकर खबरें आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों ने आधिकारिक तौर पर शादी कर ली है। उन्होंने लंदन के ओल्ड मैरिलेबोन टाउन हॉल में एक निजी समारोह में शादी की। इस निजी समारोह के दौरान उनके दोस्त और परिवार के लोग मौजूद थे। जब वे समारोह स्थल से बाहर निकले, तो उन पर रंगीन कागज के टुकड़े बरसाए गए।

❤ शादी को लेकर कलाकारों ने कुछ नहीं कहा

दुआ लीपा और कैलम टर्नर की शादी की जानकारी पेज सिक्स ने दी है। दोनों कलाकारों ने अपनी शादी को लेकर अभी तक कुछ नहीं कहा है। सोशल मीडिया पर दोनों कलाकारों की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। अभी इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है कि यह तस्वीरें एआई जनरेटेड हैं या असली।

आगे का समय कठिन हो सकता है

● मनोज बाजपेयी की बढ़ती महंगाई और आर्थकि संकट पर आम जनता को बड़ी सलाह

मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी फिल्म 'गवर्नर' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 1991 में आए आर्थकि संकट की कहानी है। एक हालयिा इंटरव्यू में एक्टर ने मौजूदा बढ़ती महंगाई पर दो टूक राय दी है। मनोज ने आम जनता को इस संघर्ष से नजिात पाने के लिए सलाह भी दी है।

बॉलीवुड के बेहतरीन एक्टर मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी फिल्म 'गवर्नरः द साइलेंट सेवियर' को लेकर चर्चा में हैं। नब्बे के दशक में आई आर्थकि संकट की कहानी कहती है इस फिल्म का ट्रेलर बीते दिनों 26 मई को रिलीज हुआ। चिन्मय दीपक मंडलेकर के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म ऐसे समय में भी रिलीज हो रही है, जब देश एक बार फिर से महंगाई, डॉलर के मुकाबले गिरते रुपये के भाव, ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण पेट्रोल-डीजल और गैस की बढ़ती कीमतों से जूझ रहा है। 57 साल के मनोज बाजपेयी ने हाल ही एक इंटरव्यू में दो टूक शब्दों में देश की जनता को सलाह दी है।

इतिहास खुद को दोहराता है

वह यह मानते हैं इतिहास खुद को दोहराता है, फिर चाहे वह पूरी तरह से भले ना हो। एक्टर से जब पूछा गया कि ऐसे हालात से कैसे निपटा जाए तो उन्होंने कहा कि यह एक्सपर्ट्स और सरकारों का काम है। हां, आम आदमी अपने खर्चे कंट्रोल कर सकता है और करता भी है, क्योंकि आगे आने वाला समय कठनि हो सकता है। विपुल अमृतलाल शाह के बैनर तले बन रही फिल्म 'गवर्नरः द साइलेंट सेवियर' इसी महीने 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह 1991 के आर्थिक संकट पर बनी है, जहां मनोज बाजपेयी ने रिजर्व बैंक के गर्वनर का किरदार निभाया है। उनकी यह फिल्म एक इकोनॉमिक-पॉलटिकिल थ्रलिर है। बातचीत में मनोज बाजपेयी अपनी फिल्म के बारे में कहते हैं कि यह फिल्म असल में एक बड़ी जिम्मेदारी की कहानी है। रिजर्व बैंक के गवर्नर पर आर्थिक संकट के समय कितना दबाव होता है, कैसे उसका परिवार पीछे छूट जाता है, नैतिक दबाव बढ़ जाता है, यह उसी संघर्ष को दिखाती है।

अब लड़कियों से की यह खास गुजारिश

परफेक्ट फिगर पाने के लिए तापसी पन्नू ने की हद से ज्यादा कसरत

तापसी पन्नू अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपनी बॉडी इमेज से जुड़ी मुश्किलों के बारे में बात की है। उन्होंने बताया है कि उन्होंने स्लिम-फिट दिखने के लिए बहुत मेहनत की। इस कोशिश में उन्होंने अपने आपको परेशान किया। उन्होंने अपनी जिंदगी के उस दौर को याद किया जब उन्हें एक खास तरह का दिखने का बहुत ज्यादा दबाव महसूस होता था।

तापसी ने अपने आपको थकाया

तापसी पन्नू ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर बताया 'मुझे याद है कि मुझे सपाट पेट पाने का जुनून था, क्योंकि बड़े होते समय मैं बहुत ज्यादा फिट थी, लेकिन मुझे कभी समझ नहीं आया कि पेट के निचले हिस्से की चर्बी हमेशा क्यों बनी रहती थी। इसे कम करने के लिए मैंने इतनी ज्यादा कसरत की कि मैंने खुद को हद से ज्यादा थका दिया। यह बात बिल्कुल सही है कि जब आप खुद को हद से ज्यादा थकाते हैं, तो आपके दिमाग में एक खतरे की घंटी बजती है कि आपके शरीर को सुरक्षा की जरूरत है।'

ज्यादा कसरत करने से क्या होता है?

तापसी ने आगे बताया कि शरीर पानी को बाहर निकालने के बजाय उसे जमा करना शुरू कर देता है। फिर पेट के निचले हिस्से की वह चर्बी, जो असल में सिर्फ चर्बी नहीं होती, बल्कि पानी का जमाव भी होता है, वहीं बना रहता है। ज्यादा कसरत करने से यह और बढ़ जाता है। तापसी का मानना है कि लोगों को ऐसा बिल्कुल नहीं करना चाहिए।

4000 CR की 'रामायण' में

रणबीर की कास्टिंग पर बवाल!

TV के राम अरुण गोविल ने भी तोड़ी चुप्पी

अपकमिंग फिल्म'रामायण' में भगवान राम के रोल केलिए रणबीर कपूर की कास्टिंग पर इतना विवाद क्यों हो रहा है? क्या अरुण गोविल की छवि आज भी लोगों के दिलों में इतनी मजबूत है कि वे दूसरा राम स्वीकार नहीं कर पा रहे? ?4000 करोड़ की 'रामायण' में रणबीर का प्रदर्शन कैसा होगा? इन सवालों पर अरुण गोविल ने खुलकर अपनी राय रखी है।

नितेश तिवारी की मेगा बजट फिल्म 'रामायण' का पहला टीज़र सामने आते ही सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई। जहां कई दर्शकों ने रणबीर कपूर के भगवान राम वाले लुक की तारीफ की, वहीं बड़ी संख्या में लोगों ने उनकी कास्टिंग पर सवाल भी उठाए। इस बहस के बीच टीवी के सबसे पॉपुलर राम माने जाने वाले अरुण गोविल ने पहली बार इस विवाद पर रिएक्शन दिया है। अरुण गोविल का मानना है कि दशकों पहले निभाया गया उनका किरदार आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है, इसलिए दर्शक किसी नए चेहरे को भगवान राम के रूप में स्वीकार करने में समय ले रहे हैं।

राम के किरदार पर विवाद क्यों हुआ?

'रामायण' के टीज़र में रणबीर कपूर को भगवान राम के रूप में पहली बार दिखाया गया। फिल्म की झलक सामने आते ही सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कई यूजर्स ने रणबीर की तारीफ की, जबकि कुछ लोगों का मानना था कि भगवान राम के किरदार के लिए कोई दूसरा एक्टर ज्यादा उपयुक्त हो सकता था। इसी वजह से फिल्म की कास्टिंग को लेकर बहस तेज हो गई।

अरुण गोविल बोले- लोग दूसरा राम देखना नहीं चाहते

वैरायटी इंडिया से हालिया बातचीत में अरुण गोविल ने कहा, 'शायद इसकी एक वजह यह भी है कि भगवान राम के रूप में मेरी एक्टिंग लोगों के लिए एक मानक बन गया। वह आज भी लोगों के दिल और दिमाग में जिंदा है। कोई भी दूसरा राम नहीं देखना चाहता।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरी 'रामायण' आज भी कहीं ना कहीं लगातार टेलीकास्ट होती रहती है। उत्तर और मध्य भारत में आज भी मेलों, रामलीलाओं और भगवान राम की तस्वीरों में मेरा चेहरा दिखाई देता है। ऐसे में किसी दूसरे एक्टर के भगवान राम वाले प्रदर्शन पर टिप्पणी करना मुझे सही नहीं लगता। '

रणबीर कपूर को लेकर क्या बोले अरुण गोविल?

जब अरुण गोविल से रणबीर कपूर के राम अवतार के बारे में पूछा गया तो उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'भगवान राम के रूप में उनके एक्टिंग के बारे में मैं अभी कुछ नहीं कह सकता, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि वह एक अच्छे एक्टर हैं। वह एक बेहतरीन इंसान भी हैं।

अभी उसको नहीं पता मैं कौन हूं

डेनियल रेडक्लिफ ने सुनाया बेटे की मासूमियत भरा किस्सा, बोले-

लॉस एंजेलिस । दुनियाभर में करोड़ों लोग अभिनेता डेनियल रेडक्लिफ को दमदार एक्टिंग की वजह से जानते हैं, लेकिन घर के अंदर उनकी पहचान एक मशहूर अभिनेता की नहीं, बल्कि सिर्फ एक पिता की है। हाल ही में डेनियल ने अपने छोटे बेटे से जुड़ा एक बेहद मजेदार किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि उनका बेटा अभी तक यह नहीं समझता कि उसके पिता एक फिल्म स्टार हैं। इतना ही नहीं, जब उसने पहली बार अपने पिता को टीवी पर देखा तो वह पूरी तरह हैरान रह गया। डेनियल रेडक्लिफ ने कहा, ''मैं अपनी पार्टनर एरिन डार्के के साथ घर पर विंटर ओलंपिक देख रहा था। इस दौरान मैं कुछ देर के लिए कमरे से बाहर चला गया। जैसे ही मैं बाहर गया, टीवी पर मेरा एक कर्मिशियल वीडियो आने लगा। मेरे बेटे ने जब स्क्रीन पर मुझे देखा तो वह उलझन में पड़ गया।'' उन्होंने बताया, ''बेटे को समझ नहीं आया कि पापा अभी कुछ पल पहले कमरे से बाहर गए हैं और अब अचानक टीवी पर कैसे दिखाई दे लगे। बेटे ने हैरानी भरे अंदाज में 'पापा' कहा और फिर इधर-उधर देखने लगा।'' डेनियल ने कहा, ''मेरे बेटे को लगा कि मैं किसी तरह टीवी के अंदर पहुंच गया हूं। कुछ देर बाद उसने पूछा कि क्या पापा कहीं चले गए हैं। यह पल मेरे लिए बेहद खास था, क्योंकि इससे मुझे एहसास हुआ कि मेरा बेटा अभी पूरी तरह सामान्य बचपन जी रहा है और उसे अपने पिता की लोकप्रियता के बारे में कोई अंदाजा नहीं है।'

फ्रेंच ओपनः चोटिल बेरेटिनी के हटने से अर्नाल्डी पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी

पेरिस : फ्रेंच ओपन 2026 में इटली के मातेओ अर्नाल्डी ने अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल खेलना सुनिश्चित कर लिया। बुधवार को खेले गए क्वार्टरफाइनल में उन्हें हमवतन मातेओ बेरेटिनी के चोट के कारण मुकाबले से हटने का फायदा मिला। मुकाबले के समय अर्नाल्डी 7-5, 5-2 से आगे चल रहे थे, तभी बेरेटिनी ने चोट के चलते मैच छोड़ने का फैसला किया। दूसरे सेट के शुरूआती खेलों के दौरान उन्हें कूल्हे में परेशानी महसूस हुई और उन्होंने चिकित्सकीय सहायता भी ली। इसके बाद विश्राम के दौरान अपने सहयोगी दल की सलाह पर उन्होंने मुकाबले से नाम वापस ले लिया। विश्व रैंकिंग में 104वें स्थान पर मौजूद अर्नाल्डी ने इस टूनार्मेंट में शानदार संघर्ष दिखाया है। क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने के दौरान उन्होंने कोर्ट पर कुल 17 घंटे 42 मिनट बिताए। अब सेमीफाइनल में उनका सामना एक और इतालवी खिलाड़ी फ्लावियो कोबोली से होगा। इससे यह तय हो गया है कि रविवार को होने वाले पुरुष एकल फाइनल में एक इतालवी खिलाड़ी जरूर पहुंचेगा। विश्व नंबर एक और पिछले वर्ष के उपविजेता यानिक सिनर के शुरूआती दौर में बाहर होने के बाद इटली के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है।

मैच के बाद अर्नाल्डी ने कहा,

ह्ययह मुश्किल स्थिति है। हम दोनों ने काफी लंबे मुकाबले खेले थे, इसलिए सर्वश्रेष्ठ स्तर पर खेलना आसान नहीं था। लेकिन कोई भी नहीं चाहता कि किसी खिलाड़ी का टूनार्मेंट इस तरह खत्म हो।

उन्होंने आगे कहा,ह्लइटली में टेनिस लगातार आगे बढ़ रहा है। मुझे उम्मीद है कि बेरेटिनी जल्दी फिट होकर वापसी करेंगे। घास के कोर्ट का सत्र जल्द शुरू होने वाला है और वह वहां मजबूत खिलाड़ी साबित होंगे।

अर्नाल्डी ने यह भी माना कि वह २थकान महसूस कर रहे हैं, लेकिन हर मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहे हैं।

कुसल मेंडिस की कप्तानी में श्रीलंका की शानदार शुरूआत, पहले वनडे में वेस्टइंडीज को 41 रन से हराया

एजेंसी

किंगस्टन : श्रीलंका ने वेस्टइंडीज दौरे के पहले एकदिवसीय मुकाबले में बुधवार देर रात दमदार प्रदर्शन करते हुए 41 रन से जीत दर्ज की। कप्तानी में वापसी कर रहे कुसल मेंडिस ने शानदार अर्धशतक जड़ा, जबकि गेंदबाजों ने लक्ष्य का सफल बचाव करते हुए टीम को जीत दिलाई। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरूआत थोड़ी सतर्क रही, हालांकि पथुम निसांका को शुरूआती जीवनदान मिला जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। दूसरे छोर पर कुसल मेंडिस ने शुरूआत में समय लिया, लेकिन फिर तेजी से रन बनाते हुए पारी को गति दी। कुसल ने विशेष रूप से स्पिनर गुडाकेश मोती पर हमला बोला और लगातार बड़े शॉट लगाए। उन्होंने 62 गेंदों पर 72 रन की तेज पारी खेली। कुसल और निसांका के बीच महत्वपूर्ण साझेदारी ने श्रीलंका को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। निसांका ने 79 रन बनाए जबकि मध्यक्रम में चरिथ असलंका ने 45 और जनिथ लियानागे ने नाबाद 44 रन जोड़कर टीम को 50 ओवर में 303/7 तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने तेज शुरूआत की। जॉन कैंपबेल और जस्टिन ग्रीव्स ने शुरूआती ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी की, लेकिन रन आउट ने टीम की लय तोड़ दी। इसके बाद श्रीलंकाई गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाया। महीश तीक्षणा ने ग्रीव्स को आउट कर वापसी कराई, जबकि वानिंदु हसरंगा ने अहम विकेट लेकर मध्यक्रम को झटका दिया। कप्तान शाई होप ने संघर्ष करते हुए 56 रन बनाए, लेकिन उन्हें दूसरे बल्लेबाजों का पर्याप्त साथ नहीं मिला। अंत में दुष्मंथा चमीरा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट झटके और वेस्टइंडीज की पूरी टीम 49.2 ओवर में 262 रन पर सिमट गई।

संक्षिप्त स्कोरः

श्रीलंका झ 303/7 (50 ओवर)
पथुम निसांका 79, कुसल मेंडिस 72; मैथ्यू फोर्ड 2/44
वेस्टइंडीज झ 262 (49.2 ओवर)
शाई होप 56; दुष्मंथा चमीरा 4/67, महीश तीक्षणा 2/26
परिणामः श्रीलंका 41 रन से विजयी।

सैफ महिला चैम्पियनशिपः भारत ने भूटान को हराकर फाइनल में बनाई जगह, अब बांग्लादेश से होगी भिड़ंत

मडगांव (गोवा) : पांच बार की चैम्पियन भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने सैफ महिला चैम्पियनशिप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में बुधवार रात भूटान को 1-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताबी मुकाबले में भारत का सामना मौजूदा चैम्पियन बांग्लादेश से शनिवार को पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होगा। ग्रुप चरण में दो मैचों में 14 गोल करने वाली भारतीय टीम से एकतरफा प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन भूटान ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाते हुए मुकाबले को कड़ा बनाए रखा। लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंची भूटान की टीम ने भारतीय आक्रमण को लंबे समय तक रोके रखा। फीफा रैंकिंग में 69वें स्थान पर मौजूद भारत ने अधिकांश समय गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन पहले हाफ में गोल नहीं कर सका। करिश्मा, सौम्या गुगुलोथ और अवेका सिंह ने मौके बनाए, लेकिन खराब फिनिशिंग और भूटान की गोलकीपर के शानदार प्रदर्शन के कारण मध्यांतर तक स्कोर 0-0 रहा। भूटान ने भी जवाबी आक्रमण में कुछ अच्छे मौके बनाए, लेकिन उन्हें गोल में नहीं बदल सकी। दूसरे हाफ में लगातार दबाव का फायदा भारत को 60वें मिनट में मिला, जब सनफिदा नोंगरुम ने गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई।

बिहार के मुजफ्फरपुर में अस्पताल में लगी आग, चार की मौत, 20 से ज्यादा गंभीर रूप से झुलसे

एजेंसी

मुजफ्फरपुर : बिहार में मुजफ्फरपुर शहर के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र अन्तर्गत प्रसाद अस्पताल में गुरुवार तड़के 3 बजे आईसीयू में अचानक लगी आग से अबतक चार लोगों की मौत हो गई। 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। वरीय पुलिस अधीक्षक कांतेश मिश्रा ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग लगते ही अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों के बीच चीख-पुकार मच गई। आईसीयू में मौजूद मरीजों को बाहर निकालने के लिए राहत एवं बचाव दल को काफी मशक्कत करनी पड़ी। देखते ही देखते धुआं पूरे अस्पताल में फैल गया।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की लगभग एक दर्जन गाड़ियां पहुंचीं। अग्निशमन कर्मियों ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और अस्पताल के विभिन्न वार्डों में फंसे मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास किया। कई मरीजों को खिड़कियां और दरवाजे तोड़कर बाहर निकाला गया। इसके बाद उन्हें आसपास के सुरक्षित अस्पतालों में भर्ती कराया गया। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, सुबह करीब तीन बजे आग लगने की सूचना प्राप्त हुई । टीम अस्पताल पहुंची तो आईसीयू वार्ड धुएं से भरा हुआ था। बचाव अभियान के दौरान कई मरीजों को गंभीर स्थिति में बाहर निकाला गया।

अधिकारियों का कहना है कि राहत कार्य के दौरान 20 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया। कई मरीजों की हालत चिंताजनक है। शुरूआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। प्रशासन ने अस्पताल परिसर को घेरे में लेकर साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अग्निशमन अधिकारियों ने भी संकेत दिया है कि जब उनकी टीम मौके पर पहुंची तो अस्पताल का अधिकांश स्टाफ वहां मौजूद नहीं था। इस तथ्य ने अस्पताल प्रबंधन की जिम्मेदारी और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मुजफ्फरपुर के निजी अस्पताल में आग से चार लोगों की मौत पर मुख्यमंत्री ने जताया दु:ख

पटना : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में आग लगने से चार व्यक्तियों की मृत्यु पर अत्यंत दु:ख जताया है ।
उन्होंने शोक-संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएँ व्यक्त की हैं। उन्होंने ईश्वर से कामना की है कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा परिजनों को इस कठिन समय में संबल दें। साथ ही मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को अविलंब 4-4 लाख रुपये का अनुग्रह अनुदान प्रदान करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि स्थानीय प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है तथा घायलों के उपचार हेतु सदर अस्पतालों में समुचित व्यवस्था की गई है। बिहार में मुजफ्फरपुर शहर के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र अन्तर्गत प्रसाद अस्पताल में गुरुवार तड़के 3 बजे आईसीयू में अचानक आग लग गई। आग कि चपेट में आने से अबतक चार लोगों की मौत हो गई है।

मप्र में प्री-मानसून एक्टिव, भोपाल समेत कई शहरों में सुबह हुई बारिश, 39 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

5 जिलों में ओलावृष्टि की चेतावनी, 20 जून के बाद मानसून की दस्तक के आसार

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में मानसून आने से पहले ही प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो गई हैं। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम का मिजाज बदल गया है और लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलने लगी है। राजधानी भोपाल सहित रायसेन, सीहोर और नर्मदापुरम में गुरुवार सुबह बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने गुरुवार को प्रदेश के 39 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है, जबकि पांच जिलों में ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में सक्रिय ट्रफ लाइन और पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम लगातार बदल रहा है। इसके चलते कई जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश का दौर जारी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इसी मौसमीय प्रणाली के कारण इस बार दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रदेश में एंट्री सामान्य तिथि से कुछ दिन देरी से, 20 से 22 जून के बीच हो सकती है। मौसम विभाग ने नीमच, श्योपुर, मुरैना, टीकमगढ़ और छतरपुर जिलों के लिए विशेष चेतावनी जारी की है। इन क्षेत्रों में 60 किलोमीटर प्रतिघंटा तक की रफ्तार से तेज आंधी चलने के साथ ओलावृष्टि की संभावना है। किसानों और आम नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। वहीं उज्जैन, भोपाल, नर्मदापुरम, जबलपुर, सागर और रीवा संभाग के कुल 33 जिलों में 50 किलोमीटर प्रतिघंटा तक की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और गरज-चमक के साथ बारिश होने का अनुमान है। गुरुवार सुबह राजधानी भोपाल में बादलों की आवाजाही बनी रही और कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। बारिश के साथ चली ठंडी हवाओं ने लोगों को गर्मी से राहत पहुंचाई। इसी तरह रायसेन, सीहोर और नर्मदापुरम जिलों में भी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 24 से 48 घंटों तक प्रदेश के कई हिस्सों में इसी तरह का मौसम बना रह सकता है। सामान्य तौर पर मध्य प्रदेश में मानसून 15 जून के आसपास प्रवेश करता है, लेकिन इस बार मौसमीय परिस्थितियों को देखते हुए इसके 20 जून के बाद आने की संभावना जताई जा रही है।

जयशंकर ने वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली : विदेशमंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने आज यहां वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज से मुलाकात की। डॉ. जयशंकर ने एक्स पर लिखा, ₹आज यहां (दिल्ली) में वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज से मिलकर मुझे खुशी हुई। भारत-वेनेजुएला संबंधों के प्रति उनके लंबे समय से चले आ रहे समर्पण की मैं बहुत कद्र करता हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात हमारे सहयोग को और मजबूत करेगी। यात्रा के दौरान कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज प्रधानमंत्री मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी। इन वाताओं में भारत-वेनेजुएला संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा होगी और ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और निवेश, फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में आगे सहयोग के रास्ते तलाशे जाएंगे। उल्लेखनीय है कि वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज 3 से 7 जून तक भारत की यात्रा पर हैं। वे आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से द्विपक्षीय वार्ता करेंगी। इस दौरान दोनों देशों के बीच ऊर्जा, व्यापार, निवेश, उत्पादन, स्वास्थ्य और परिवहन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होने की संभावना है। कार्यवाहक राष्ट्रपति के साथ विदेश मामलों, अर्थव्यवस्था एवं वित्त, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, संचार एवं सूचना तथा परिवहन मंत्रियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी है। कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज इससे पहले विदेशमंत्री और उपराष्ट्रपति के रूप में कई बार भारत का दौरा कर चुकी हैं। यह उनकी छठी भारत यात्रा है।'

नोएडा में कूलर से लगा 47 वर्षीय व्यक्ति को करंट, अस्पताल में मौत

नोएडा : नोएडा के थाना सेक्टर 49 क्षेत्र के होशियापुर गांव में रहने वाले एक 47 वर्षीय व्यक्ति को उनके घर रखे हुए कुलर से करंट लग गया। उन्हें गंभीर हालत में उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

थाना सेक्टर 49 के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार भारद्वाज ने गुरुवार को बताया कि मूल रूप से जनपद बुलंदशहर के जहांगीराबाद क्षेत्र के रहने वाले चंद्र किरण पुत्र करण सिंह उम्र 47 वर्ष थाना सेक्टर 49 क्षेत्र के होशियापुर गांव में अपने भाई के साथ रह रहे थे। मकान में बीती रात को उन्हें घर में रखे हुए कूलर से करंट लग गया। परिजनों ने गंभीर हालत में उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, वहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घर के बाहर खेल रहे बच्चे ने सांप को दांतों से काट डाला

एजेंसी

देवरिया : उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद के गौरीबाजार थाना क्षेत्र के सोपरी बुजुर्ग गांव में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई। घर के बाहर खेल रहे 18 माह के मासूम ने सांप के बच्चे को मुंह में डाल कर दांत से काट काट अलग-अलग हिस्सा कर दिया ।परिवार के लोगों ने इलाज के लिएमेडिकल कॉलेज देवरिया में भर्ती कराया ।चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद सेगोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया । जहां उसका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार,गौरी बाजार थाना क्षेत्र के सोपरी बुजुर्ग गांव निवासी जशवंत निषाद का पुत्र पीयूष (18 माह) जो बाहर खेल रहा था। इसी दौरान उसे एक छोटा सांप दिखाई दिया। परिजनों के मुताबिक, मासूम ने उसे खेलते-खेलते मुंह में डाल कर काटने लगा। कुछ देर बाद परिवार के लोगों की नजर बच्चे पर पड़ी तो उसके पास सांप का कटा हुआ हिस्सा पड़ा मिला। यह दृश्य देखकर परिजन घबरा गए और तत्काल बच्चे को महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार किया। हालांकि, उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर मेडिकल कालेज रेफर कर दिया । वहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार चल रहा है। महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज के सीएमएस डॉ. एच.के. मिश्रा ने बताया कि विषैले जीव-जंतुओं के संपर्क में आने पर तत्काल उपचार और लगातार चिकित्सकीय निगरानी आवश्यक होती है। उन्होंने अभिभावकों से छोटे बच्चों पर विशेष नजर रखने की अपील की, ताकि इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके। स्वास्थ्य विभाग ने भी लोगों से अपील की है कि यदि कोई बच्चा या व्यक्ति सांप अथवा अन्य विषैले जीव के संपर्क में आता है, तो घरेलू उपचार या झाड़-फूंक पर भरोसा न करें। ऐसे मामलों में तुरंत निकटतम अस्पताल पहुंचकर चिकित्सकीय सहायता लेना ही सबसे सुरक्षित और प्रभावी उपाय है। घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। वहीं परिजन बच्चे के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं। यह घटना छोटे बच्चों की सुरक्षा और उन पर सतत निगरानी की आवश्यकता को भी उजागर करती है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता का दिया संदेश, अमृत उद्यान में रखे गए जलपात्रों का किया उल्लेख

एजेंसी

नई दिल्ली : भीषण गर्मी से पक्षियों को राहत देने के लिए राष्ट्रपति भवन, अमृत उद्यान और अन्य परिसर में जलपात्रों को रखा गया है। राष्ट्रपति ने कहा ये जलपात्र पक्षियों को बहुत राहत दे रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के गुरुवार को आधिकारिक एक्स हैंडल पर वीडियो जारी करते हुए इस पहल की सराहना की गई। इस वीडियो में पक्षियों को पानी पीते हुए दिखाया गया है। राष्ट्रपति ने आम लोगों से प्रकृति और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशील रहने का अप्रत्यक्ष आह्वान किया।

राष्ट्रपति ने भीषण गर्मी के बीच पक्षियों के लिए किए जा रहे प्रयासों को संवेदनशीलता और प्रकृति के प्रति सामंजस्य की तारीफ करते हुए कहा कि इस कठिन मौसम में अमृत उद्यान और राष्ट्रपति भवन के अन्य स्थानों पर पक्षियों के लिए रखे गए जलपात्र उन्हें राहत और आराम प्रदान कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह एक छोटा-सा प्रयास है, जो जीव-जंतुओं के प्रति करुणा और उनके साथ सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व की भावना को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि ऐसे सरल कदम पर्यावरण संरक्षण और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

लगातार तीसरे दिन सपाट स्तर पर सराफा बाजार सोना और चांदी के भाव में कोई बदलाव नही

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में लगातार तीसरे दिन आज सपाट स्तर पर कारोबार हो रहा है। देश के ज्यादातर सराफा बाजार में शुरूआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में बदलाव नहीं होने के कारण देश के सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज भी 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना भी आज बुधवार के भाव पर ही यानी 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज भी 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,56,360 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,56,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,56,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

वसई -विरार मनपा लिपिक रिश्वत लेते गिरफ्तार

मुंबई : राज्य के पालघर जिले में तहसील वसई में वसई विरार मनपा में सातीवाली विभाग के संपत्ति कर तथा वृक्ष प्राधिकरण में लिपिक दिलीप लक्ष्मण लोखंडे को ठाणे एंटी करप्शनब्यूरो ने दस हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है ।ठाणे एंटी करप्शनब्यूरो पुलिस निरीक्षक संतोष नावलगी ने आज बताया कि शिकायतकर्ता के स्वामित्व की जगह पर राठौड़ नामक व्यक्ति ने अवैध रूप से कब्जा कर पेड़ पौधे लगाए थे ।इसके बाद शिकायतकर्ता ने अतिक्रमण करने पर नोटिस देकर संबंधित वसई विरार मनपा लिपिक दिलीप लक्ष्मण लोखंडे से संपर्क करने पर उन्होंने कार्यवाही करने के लिए दस हजार रुपए मांगे थे ।इसके बाद शिकायतकर्ता ने 27मई 2026को ठाणे एंटी करप्शनब्यूरो को इसके बारे में शिकायत दर्ज कराई थी ।इधर ठाणे एंटी करप्शनब्यूरो द्वारा 28 मई को की गई जांच में इसे सही पाया था ।इसके बाद जब 02 जून 2026को वसई विरार मनपा लिपिक दिलीप लक्ष्मण लोखंडे शिकायतकर्ता से मांगी गई रिश्वत की राशि दस हजार रुपए स्वीकार कर रहे थे, ठाणे एंटी करप्शनब्यूरो की टीम द्वारा गिरफ्तार किए गए ।यह कार्यवाही ठाणे एंटी करप्शनब्यूरो पुलिस अधीक्षक शिवराज पाटील के मार्ग दर्शन में की गई।

कोलकाता में एक और तृणमूल पार्षद गिरफ्तार, दुष्कर्म और धमकी के आरोप में पकड़े गए

कोलकाता : कोलकाता में एक बार फिर तृणमूल कांग्रेस के पार्षद की गिरफ्तारी से राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। 114 नंबर वार्ड के पार्षद विश्वजीत मण्डल को एक महिला द्वारा दुष्कर्म और धमकी देने के गंभीर आरोप लगाने के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस गिरफ्तारी के साथ ही हाल के दिनों में कोलकाता नगर निगम के चार पार्षदों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जानकारी के अनुसार, महिला ने आरोप लगाया है कि वर्ष 2024 के मार्च महीने और नौ मई को पार्षद विश्वजीत मण्डल ने उनके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया और साथ ही अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए धमकी भी दी। शिकायत मिलने के बाद रीजेंट पार्क थाने की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उन्हें हिरासत में लिया। विश्वजीत मण्डल लंबे समय से 114 नंबर वार्ड का प्रतिनिधित्व कर रहे थे और वे 2010, 2015 तथा 2021 में लगातार पार्षद चुने गए थे। उनका नाम टालीगंज विधानसभा क्षेत्र से भी जुड़ा रहा है और उन्हें स्थानीय स्तर पर एक प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्ति माना जाता है। पिछले कुछ दिनों में कोलकाता नगर निगम के चार तृणमूल पार्षदों की गिरफ्तारी हो चुकी है। 23 मई को 123 नंबर वार्ड के पार्षद सुदीप पोल्ले को कथित वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। दो जून को 36 नंबर वार्ड के सचिन सिंह और 106 नंबर वार्ड के अरिजीत दास को भी वसूली के आरोप में पुलिस ने हिरासत में लिया था। इसके अलावा 42 नंबर वार्ड के पार्षद महेश कुमार शर्मा को भी धमकी और अन्य आरोपों में बुधवार रात गिरफ्तार किया गया।

ब्राउन शुगर के साथ युवक गिरफ्तार

सिलीगुड़ी : नक्सलबाड़ी थाना पुलिस ने एक युवक को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान दिवाकर सिकदार के रूप में हुई है। वह नक्सलबाड़ी के खालपाड़ा इलाके का निवासी बताया गया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार रात नक्सलबाड़ी के कोटियाजोत स्थित श्मशान मैदान के पास की गई। पुलिस के अनुसार, रात के अंधेरे में कुछ लोगों के एकत्र होकर मादक पदार्थों के लेन-देन की आशंका होने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर छापेमारी की और संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान युवक की पैंट की जेब से एक पैकेट मादक पदार्थ बरामद हुआ। जांच में इसे ब्राउन शुगर पाया गया। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से करीब 51 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। गुरुवार को आरोपित को सिलीगुड़ी अदालत में पेश किया जाएगा।

भारत में घुसने की कोशिश के आरोप में बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

सिलीगुड़ी : भारत-नेपाल सीमा पर भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई खोरीबाड़ी के पानीटंकी स्थित भारत-नेपाल सीमा पर तैनात (एसएसबी) सशस्त्र सीमा बल के जवानों ने की। जानकारी के अनुसार, जांच के दौरान एसएसबी जवानों ने संबंधित व्यक्ति के दस्तावेजों की जांच की, जिसमें उसका वीजा समाप्त पाया गया। इसके बाद अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के प्रयास के आरोप में उसे हिरासत में लेकर खोरीबाड़ी थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मोहम्मद मुक्तार हुसैन के रूप में हुई है, जो बांग्लादेश के ढाका जिले के नवाबगंज क्षेत्र का निवासी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, वह वर्ष 2023 में वैध दस्तावेजों के साथ भारत आया था। कोलकाता में रहने के दौरान उसके वीजा की अवधि समाप्त हो गई। इसके बाद वह कथित तौर पर दलालों के संपर्क में आकर नेपाल चला गया। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि हाल ही में राज्य में अवैध घुसपैठियों की पहचान, निष्कासन और निर्वासन को लेकर चल रही कार्रवाई की जानकारी मिलने के बाद वह सीमा के रास्ते दोबारा भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। एसएसबी की शिकायत के आधार पर खोरीबाड़ी थाना पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को गुरुवार सिलीगुड़ी अदालत में पेश किया जाएगा। मामले की जांच जारी है।

बीटीसी सरकार का बड़ा फैसला, एमसीएलए और कार्यकारी सदस्यों के वेतन में 30 प्रतिशत कटौती

कोकराझाड़ (असम) : बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) सरकार ने खर्चों में कटौती के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए एमसीएलए और कार्यकारी सदस्यों के वेतन में 30 प्रतिशत कटौती करने का फैसला किया है। यह निर्णय कार्यकारी परिषद की बैठक में लिया गया। परिषद ने आगामी छह माह तक इस कटौती को लागू रखने का निर्देश जारी किया है। बीटीसी प्रमुख हग्रामा महिलारी ने बीती रात बैठक के बाद बताया कि मध्य-पूर्व में युद्ध जैसे हालात और उससे उत्पन्न वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि वित्तीय अनुशासन बनाए रखने तथा सरकारी खर्चों में कमी लाने के लिए यह अस्थायी व्यवस्था लागू की गई है। परिषद का मानना है कि मौजूदा परिस्थितियों में संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है। बीटीसी प्रशासन ने इसे आपातकालीन व्यय-संकोचन उपाय बताते हुए कहा है कि छह माह बाद स्थिति की समीक्षा कर आगे का निर्णय लिया जाएगा।

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने परमाणु सामग्री उत्पादन सुविधा केंद्र का दौरा किया

प्योंगयांग (उत्तर कोरिया)/सियोल (दक्षिण कोरिया) : उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग-उन ने हाल ही में शुरू की गई एक परमाणु सामग्री उत्पादन सुविधा केंद्र का दौरा किया है। उन्होंने इस अवसर पर देश के परमाणु हथियारों के भंडार को तेजी से मजबूत करने का संकल्प लिया है। किम के साथ पार्टी के प्रमुख अधिकारी भी थे। यह जानकारी गुरुवार को सरकारी मीडिया कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने दी। केसीएनए ने इस स्थान का खुलासा नहीं किया है। दक्षिण कोरिया के अखबार 'द कोरिया टाइम्स' ने अपनी रिपोर्ट में केसीएनए और दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय के हवाले से इस घटनाक्रम की चर्चा की है। सियोल में रक्षा मंत्रालय के संवाददाता सम्मेलन में कहा गया है कि यह सुविधा केंद्र यूरेनियम संवर्धन स्थल हो सकता है। इस समय उत्तर कोरिया के योंगब्योन, कांगसोन और कुसोंग में यूरेनियम संवर्धन सुविधा केंद्र हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह साफ नहीं है कि किम ने क्या किसी चौथे सुविधा केंद्र का दौरा किया। किम ने कहा कि पिछले पांच वर्ष में उत्तर कोरिया की परमाणु सामग्री उत्पादन क्षमता दोगुनी से भी अधिक हो गई है। यह संभावित खतरे और अप्रत्याशित दीर्घकालिक संकट के समय के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने संकेत दिया कि प्योंगयांग का अपनी परमाणु महत्वाकांक्षा से पीछे हटने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि नया केंद्र देश की परमाणु क्षमता को तेजी से उन्नत करने की दिशा में मील का पत्थर हुआ है। उल्लेखनीय है कि सितंबर 2024 में उत्तर कोरिया ने पहली बार अपनी यूरेनियम संवर्धन सुविधा का खुलासा किया था।

भीषण आग में कपड़ा गोदाम जलकर खाक

दक्षिण दिनाजपुर : जिले के बुनियादपुर ट्रैफिक मोड़ पर गुरुवार सुबह एक कपड़ा व्यवसायी के गोदाम में भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। आग इतनी तेजी से फैली कि पूरा गोदाम जलकर खाक हो गया ।इस आगजनी की घटना में पास स्थित व्यवसायी समिति की दो मंजिला इमारत का एक हिस्सा, कारोबारी का निजी दो मंजिला मकान, एक स्टेशनरी दुकान और एक विदेशी शराब की दुकान का भी आंशिक नुकसान हुआ है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सुबह करीब साढ़े आठ बजे लोगों ने सबसे पहले गोदाम से धुआं और आग की लपटें निकलते देखी।

डीसी के निर्देश पर डीटीओ के नेतृत्व में चला सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : उपायुक्त के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी प्रमोद कुमार दास के नेतृत्व में बुधवार को जिले के चियांकी क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान गांधीगिरी के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया गया।

इस दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले एवं ट्रिपल राइडिंग करने वाले वाहन चालकों को माला पहनाकर सड़क सुरक्षा के महत्व की जानकारी दी गई। वहीं हेलमेट पहनकर यातायात नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों को गुलाब फूल देकर सम्मानित किया गया।

जिला परिवहन पदाधिकारी ने अभियान के दौरान लोगों को हेलमेट, सीट बेल्ट, ओवर स्पीडिंग, ड्रिंक एंड ड्राइव सहित अन्य यातायात नियमों की विस्तृत

जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। हेलमेट केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा के लिए जरूरी है।

उन्होंने बिना हेलमेट वाहन चला रहे लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि आज उन्हें माला पहनाकर यह एहसास कराया जा रहा है कि यातायात नियमों की अनदेखी कितनी खतरनाक हो सकती है। यदि समय रहते लोग सावधान नहीं हुए तो दुर्घटनाओं में जान जाने की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए सभी लोग सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें तथा दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनें।अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा की शपथ भी दिलाई गयी।जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला परिवहन पदाधिकारी, यातायात प्रभारी, मोटरयान निरीक्षक, सड़क सुरक्षा पलामू के कर्मी एवं ट्रैफिक पुलिस के जवान उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

आत्महत्या समाधान नहीं, जीवन को उत्सव की तरह जीने का संदेश : मुनि

हजारीबाग : परम पूज्य आचार्य समय सागर महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनि धर्म सागर महाराज एवं मुनि भाव सागर महाराज के सान्निध्य में बुधवार को पार्श्वनाथ दिगंबर जैन बड़ा बाजार मंदिर में विशेष मांगलिक क्रियाएं संपन्न हुईं।

इस अवसर पर महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने शास्त्र अर्पण का सौभाग्य प्राप्त किया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि धर्म सागर महाराज ने विशेष रूप से बच्चों और युवाओं को आत्महत्या जैसे कदमों से दूर रहने की प्रेरणा दी।

उन्होंने कहा कि दुनिया की कोई समस्या केवल किसी एक व्यक्ति की नहीं होती, बल्कि उसी समस्या से अनेक लोग जूझ रहे होते हैं। इसलिए निराशा में आकर आत्महत्या करना किसी समस्या का समाधान नहीं है।

उन्होंने कहा कि परीक्षा में असफलता, अपेक्षानुसार अंक नहीं आना या जीवन में कठिनाइयां आना सामान्य बात है। ऐसे समय में धैर्य, आत्मविश्वास और आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता होती है।

किसी से अपनी तुलना नहीं करनी चाहिए, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति अपने आप में विशिष्ट और अद्वितीय होता है। मुनिश्री ने युवाओं को नशे और कुसंगति से बचने की सलाह देते हुए कहा कि सिगरेट, शराब और अन्य बुरी आदतें आत्मविश्वास को कमजोर करती हैं। उन्होंने जीवन को उत्सव की तरह जीने, ईश्वर एवं अपने पुरुषार्थ पर विश्वास रखने तथा विपरीत परिस्थितियों का साहसपूर्वक सामना करने का संदेश दिया। प्रवचन से प्रभावित होकर कई लोगों ने आत्महत्या नहीं करने का संकल्प लिया। संध्या में महाआरती एवं णमोकार जाप का आयोजन किया गया।

जिला जज ने की एलएडीसी की मासिक समीक्षा बैठक दिए आवश्यक निर्देश

चाईबासा : झालसा रांची एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डीएलएसए चाईबासा मौहम्मद शाकिर के निर्देश पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल की मासिक समीक्षा बैठक जिला जज के कार्यालय कक्ष में संपन्न हुई, इस दौरान उन्होंने लीगल एड डिफेंस काउंसिल के कार्यों का मूल्यांकन किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए; उन्होंने उन्हें सौंपे गये मामलों को शीघ्रता से संबंधित न्यायालय में प्रस्तुत कर विधिवत निष्पादित करने को कहा। इस दौरान एल ए डी सी के चीफ सुरेंद्र प्रसाद, डिप्टी चीफ सुरेंद्र प्रसाद दास सहायक डीएलएसए रत्नेश कुमार, और पूजा चौरसिया भी उपस्थित थे। उपरोक्त जानकारी प्राधिकार के सचिव रवि चौधरी ने दी।

सीएम पशुधन विकास योजना में डीसी से जांच की मांग

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : झारखण्ड क्रांति मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु ने आज मेदिनीनगर में प्रेस बयान जारी कर पलामू के उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत से पलामू जिले में पशुपालन,कृषि व सहकारिता विभाग द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी ₹ मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना₹ में व्याप्त भीषण अनियमितता की उच्चस्तरीय जांच कर करोड़ों रुपए के घोटाले का पदार्फाश कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग पत्र लिखकर किया है।

जारी बयान में उन्होंने कहा है कि सप्लायर्स द्वारा फार्म 47 या शपथ पत्र के माध्यम से खरीदे गए गाय/बैल/भैस व सुअर,बकरी, मुर्गी,बतख आदि को विभाग द्वारा निर्धारित क्वारंटाइन सेन्टर में 14 दिनों तक सघन स्वास्थ्य परीक्षण मसलन टिकाकरण,ब्लड टेस्ट आदि आवश्यक प्रक्रियाओं के स्वस्थ घोषित करने व बिमा करने के बाद जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में लाभुकों के बीच वितरण का प्रावधान है, लेकिन जिला पशुपालन पदाधिकारी व गव्य विकास पदाधिकारी पलामू द्वारा सिर्फ कागजी क्वारंटाइन दर्शाकर लूट मचाई गई है।इस मामले में अगर दो-तीन वित्तीय वर्ष में लाभुकों के बीच वितरित किए गये पशुओं व पक्षियों व लाभान्वितों की जमीनी स्तर पर जांच की जांच तो भयावह स्थिति उजागर हो जाएगी।

ज्ञातव्य है कि दिव्या भगत जैसे एक्टीविस्टों द्वारा मामले का जमीनी स्तर पर खूलाशे के बाद जिला पशुपालन पदाधिकारी द्वारा जिस तरीके से दिग्भ्रमित कर मामले में गलत बयानी की जा रही है,उसकी जांच अनिवार्य है।

ज्ञातव्य है कि विभाग के आपूर्तिकताओं व अधिकारियों की मिलीभगत से लाभुकों को थोड़े पैसे का प्रलोभन देकर योजना की पूरी राशि हड़प ली जाती है। कुछ मंगरु सिंह जैसे लाभुकों द्वारा पशु लेने की जिद पर अड़ने से उन्हें लम्पी वायरस से पीड़ित पशु पकड़ा दिया जाता है,जो मामला वायरल हो चुका है। पलामू जैसे अत्यंत पिछड़े जिले जहां के एससी-एसटी,ओबीसी समेत सभी वर्गों के बेरोजगारों को राज्य के बाहर पलायन के लिए विवश हो कर हमेशा खतरों से खेलना पड़ता है, अगर मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना को ईमानदारी से जमीन पर उतारा जाए तो बेरोजगारों के साथ भीषण कठिनाइयों से जूझते किसानों का आर्थिक उन्नयन व सशक्तिकरण से पलामू की तस्वीर बदल जाए जाएगी।

बयान में जेकेएम अध्यक्ष ने कहा है कि इस योजना में लाभुकों के चयन हेतु प्रखंड व जिला स्तरीय समितियों की अनुसंशाओं व भागेदारी की बावजूद भी जिले के निर्वाचित विधायक/सांसद से लेकर राज्य के वित्त व संसदीय कार्य मंत्री जो कमजोर वर्गो का प्रतिनिधित्व करने का ढोंग करते हैं,इस मामले का निगरानी व अनुश्रवण में कोई रुचि नहीं दिखाते हैं।

डायल 112 सेवा हुई और मजबूत, 36 नई बाइक को डीआईजी व एसपी ने दिखाई हरी झंडी

मेदिनीनगर : पुलिस विभाग की आपातकालीन प्रतिक्रिया व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए डायल 112 सेवा के तहत 36 नई मोटरसाइकिलों को थाना एवं विभिन्न चेकिंग पॉइंट्स को उपलब्ध कराया गया। इन आधुनिक बाइकों का उपयोग त्वरित रिस्पॉन्स, नियमित पेट्रोलिंग तथा आपातकालीन परिस्थितियों में घटनास्थल पर शीघ्र पहुंच सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा।

नई बाइकों में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम, ब्लू-रेड एलईडी पुलिस लाइट, सायरन एवं माइक सिस्टम जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं दी गई हैं, जिससे पुलिसकर्मियों को अपने दायित्वों के निर्वहन में और अधिक सुविधा मिलेगी।

इस अवसर पर डीआईजी किशोर कौशल एवं पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने सभी बाइकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अधिकारियों ने कहा कि इन वाहनों के शामिल होने से पुलिस की प्रतिक्रिया क्षमता और कार्यकुशलता में उल्लेखनीय सुधार होगा तथा आम जनता को बेहतर और त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी।

नाम बदल कर चल रही थी सात लोगों को कुचलनेवाली बस, साल भर बाद पकड़ायी

धनबाद : सात लोगों को कुचल कर मारनेवाली बस को मंगलवार को राजगंज थाना की पुलिस ने जब्त कर लिया। यह बस कोलकाता से बिहार शरीफ जाती है। यह बस पहले बंगाल टाइगर के नाम से चल रही थी। 28 फरवरी 2025 को हुए हादसे की प्राथमिकी दर्ज होने के बाद बस मालिक ने वाहन का रंग और नाम बदलकर वंदे भारत कर दिया था। बता दें कि पिछले साल 28 फरवरी को बंगाल का एक परिवार स्कॉर्पियो से कुंभ मेला जा रहा था। इसी दौरान राजगंज के दलूडीह के पास सिक्स लेन पर सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से उनकी स्कॉर्पियो टकरा गई।

खरसाल के नए थाना प्रभारी बनाए गए राहुल कुमार सिंह

संवाददाता

सरायकेला खरसावां जिला के आदित्यपुर थाना में पदस्थापित अवर पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार सिंह खरसाल के नए थाना प्रभारी बनाए गए हैं श्री सिंह से पूर्व पश्चिम शिवम जिला के चक्रधरपुर थाना टैबोथाना तथा गोयल केरा थाना के थाना प्रभारी रह चुके हैं इसके पश्चात उनका तबादला सरायकेला खरसावां जिला के आदित्यपुर थाना में हो गया था उनके बेहतर कार्य प्रणाली और कार्य दक्षता को देखते हुए खरसवा थाना के थाना प्रभारी बनाया गया है थाना प्रभारी के रूप में पदभार ग्रहण करने के पश्चात उन्होंने कहा कि बेहतर शांति व्यवस्था और आम लोगों को सुरक्षा उनका परम दायित्व और सर्वोच्च प्राथमिकता है पुलिस और आम लोगों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित हो लोग

थाना निर्भीक रूप से आकर अपनी बात और समस्या तथा परेशानी कह सके यह भी उनके प्राथमिकता में शामिल है।

सदर अस्पताल में बनेगी पांच बेड की मॉड्यूलर आईसीयू और ओटी

धनबाद : सदर अस्पताल में आने वाले गंभीर मरीजों को जल्द बेहतर और त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। इसके लिए यहां पांच बेड की अत्याधुनिक मॉड्यूल आईसीयू (इंटेंसिव केयर यूनिट) स्थापित करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके साथ मॉड्यूल ऑपरेशन थिएटर (ओटी) का भी निर्माण कराया जाएगा। फिलहाल अस्पताल में आईसीयू की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण गंभीर रूप से बीमार या दुर्घटना में घायल मरीजों को अन्य बड़े अस्पतालों में रेफर करना पड़ता है। आईसीयू शुरू होने के बाद ऐसे मरीजों को तत्काल उपचार मिल सकेगा और रेफरल की आवश्यकता भी कम होगी। अस्पताल प्रबंधन ने आईसीयू संचालन के लिए स्थान भी चिह्नित कर लिया है। अस्पताल के पुराने रजिस्ट्रेशन काउंटर वाले कमरे को मॉड्यूल आईसीयू के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए आवश्यक निर्माण और आंतरिक साज-सज्जा का कार्य शुरू कर दिया गया है। रजिस्ट्रेशन काउंटर को अस्पताल भवन के बाहर शिफ्ट किया जा चुका है। यह स्थान खाली था, जिस पर आईसीयू शुरू करने की तैयारी चल रही है।

सदर अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार आईसीयू में गंभीर मरीजों की निगरानी और उपचार के लिए आवश्यक आधुनिक उपकरण लगाए जाएंगे। इसमें वेंटिलेटर, मल्टीपैरा मॉनिटर, ऑक्सीजन सपोर्ट सिस्टम, सक्शन मशीन, इंफ्यूजन पंप समेत अन्य जीवनरक्षक उपकरण शामिल होंगे। इसके लिए जल्द ही मशीनों और अन्य जरूरी संसाधन की खरीद प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

कराईकेला के पूर्व मुखिया एवं समाजसेवी बनमाली मंडल को श्रद्धांजलि

संवाददाता

चक्रधरपुर/कराईकेला : कराईकेला ग्राम पंचायत के पूर्ववर्ती मुखिया तथा लोकप्रिय समाजसेवी स्वर्गीय बनमाली मंडल का 25 मई 2026 को 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से कराईकेला क्षेत्र सहित पूरे सिंहभूम अंचल में शोक की लहर है। उक्त बातें डॉ गिरजा शंकर मिश्र ने कही। उन्होंने कहा स्वर्गीय बनमाली मंडल लंबे समय तक समाज सेवा और जनहित के कार्यों से जुड़े रहे तथा क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

स्व. बनमाली मंडल कराईकेला पंचायत के पूर्व मुखिया रहे और सिंहभूम अंचल में एक कुशल कार्यकर्ता एवं जननेता के रूप में अपनी पहचान बनाई। वर्ष 1970 और 1980 के दशक में उन्होंने अपनी कार्यकुशलता, ईमानदारी और जनसेवा के माध्यम से लोगों के दिलों में विशेष स्थान बनाया। ग्रामीण विकास और पंचायत व्यवस्था को मजबूत करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

उनके नेतृत्व में कराईकेला ग्राम पंचायत चुनावों ने नई दिशा प्राप्त की। क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक कार्यकताओं को उन्होंने मार्गदर्शन दिया। बताया जाता है कि वर्तमान में क्षेत्र के कई सांसद, विधायक एवं जनप्रतिनिधि उनके कार्यों और विचारों से प्रेरित रहे हैं। स्व. मंडल सिंहभूम के सामाजिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र से भी गहराई से जुड़े रहे। कराईकेला उच्च विद्यालय के विकास एवं संचालन में उनकी सक्रिय भूमिका रही। विद्यालय प्रबंधन समिति में रहकर उन्होंने शिक्षा के प्रसार के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। वर्ष 1977 में विद्यालय के सरकारीकरण की प्रक्रिया में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है। इसके अलावा वे सिंहभूम जिला मंडल समाज के अध्यक्ष के रूप में भी लंबे समय तक समाज सेवा करते रहे। सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और जनहित के प्रति समर्पण के कारण वे समाज के सभी वर्गों में सम्मानित थे। उनके निधन पर क्षेत्र के सामाजिक, राजनीतिक एवं शैक्षणिक जगत के लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लोगों ने उनके योगदान को अविस्मरणीय बताया तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि स्व. बनमाली मंडल का जीवन समाज सेवा, शिक्षा के प्रति समर्पण और जनकल्याण के कार्यों के लिए सदैव याद किया जाएगा।